Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री दुर्गा शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
माँ दुर्गा उपासक मां बगुलामुखी, माँ कामख्या, माँ भद्रकाली, माँ शतचंडी की असीम कृपा साधना द्वारा समस्त समस्याओं का मार्ग दर्शन हेतु
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 14, अंक 77 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, गुरूवार 02 जनवरी 2025 www.samaydarshan.in

सार समाचार

आम आदमी पर पड़ रही चौतरफा टैक्स और महंगाई की मार : हुड्डा

चंडीगढ़। सड़क निर्माण की लागत 2747 करोड़ रुपए और वसूली 4489 करोड रुपए, फिर भी टोल को बंद नहीं किया जा रहा है। इस तरह हरियाणा की जनता से टोल के नाम पर हजारों करोड़ रुपए की लूट हो रही है। घग्गर टोल प्लाजा का उदाहरण देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने टोल टैक्स की लूट का मुद्दा उठाया है। उन्होंने कहा कि आरटीआई के जरिए सामने आई ताजा जानकारी से स्पष्ट हो गया है कि बीजेपी सरकार से मिलीभगत कर कंपनियां टोल टैक्स के नाम पर लागत के मुकाबले कई गुना ज्यादा मुनाफा कूट रही हैं। आम जनता पर टैक्स और महंगाई की मार पड़ती जा रही है और सरकार सबकुछ देखकर भी अनदेखा कर रही है।

हुड्डा ने कहा कि हरियाणा में कुल 57 टोल प्लाजा आज की तारीख में वसूली करने में लगे हैं। घग्गर और घरौंडा टोल की टैक्स कलेक्शन की समय अवधि खत्म हो चुकी है। यहां से कंपनियां लागत के मुकाबले कहीं ज्यादा मुनाफा कमा चुकी हैं। बावजूद इसके यहां आम जनता से करोड़ों रुपये की वसूली जारी है। प्रदेश में ऐसे कई टोल प्लाजा हैं, जिनकी या तो मियाद पूरी हो चुकी है या फिर लागत और मुनाफा।

नगर निगमों का निर्वाचन कार्यकाल खत्म होते ही प्रशासक संभालेंगे जिम्मेदारी

दुर्ग। 10 नगर निगमों में प्रशासकों की नियुक्ति कर इसका आदेश जारी कर दिया है। सभी 10 नगर निगमों का निर्वाचन कार्यकाल खत्म होते ही प्रशासक जिम्मेदारी संभाग लेंगे। आपको बता दे निगम चुनाव में अभी वक्त लग सकता है। ऐसे में सरकार ने प्रदेश के 10 नगर निगमों के निर्वाचन कार्यकाल के खत्म होते ही वहां प्रशासकों की नियुक्ति आदेश जारी कर दिया है। ऐसे में निगम का चुनाव फरवरी महीने के बाद ही संपन्न होने की उम्मींद जतायी जा रही है।

मुख्यमंत्री साय आज लगभग 356 करोड़ रूपए से अधिक लागत के 228 विकास कार्यों का देंगे सौगात

विभिन्न विकास कार्यों का करेंगे लोकार्पण एवं भूमिपूजन

रायपुर(समय दर्शन)। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय गुरूवार 02 जनवरी को अपने एक दिवसीय बस्तर जिले के प्रवास पर कुल 356 करोड़ 44 लाख रूपए से अधिक लागत के 228 विकास कार्यों की सौगात बस्तरवासियों को देंगे। जिसके तहत विधानसभा क्षेत्र नारायणपुर-84 के अन्तर्गत 13 विकास कार्यों सहित विधानसभा क्षेत्र बस्तर-85 के 20, विधानसभा क्षेत्र जगदलपुर-86 के 47 तथा विधानसभा क्षेत्र चित्रकोट-87 के अन्तर्गत 19 कुल 188 करोड़ 40 लाख रूपए की लागत के 99 विकास कार्यों का लोकार्पण करेंगे। वहीं विधानसभा क्षेत्र नारायणपुर-84 के अन्तर्गत 10 विकास कार्यो सहित विधानसभा क्षेत्र बस्तर-85 के 20, विधानसभा क्षेत्र जगदलपुर-86 के 52 तथा विधानसभा क्षेत्र चित्रकोट-87 के अन्तर्गत 47 कुल 168 करोड़ 04 लाख रूपए की लागत के 129 विकास कार्यों भूमिपूजन करेंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय द्वारा विधानसभा क्षेत्र नारायणपुर के अन्तर्गत 05 करोड़ 68 लाख रूपए की लागत से ग्राम फरसागुड़ा से पखनाकोंगेरा मार्ग में निर्मित वृहद पुल सहित 05 करोड़ 47 लाख रूपए की लागत से निर्मित ग्राम सोरगांव से जामगांव मार्ग पुल-पुलिया सहित कुल 24 करोड़ 15 लाख रूपए की लागत से 13 विकास कार्यों का लोकार्पण करेंगे। वहीं विधानसभा क्षेत्र बस्तर के अन्तर्गत 06 करोड़ 08 लाख रूपए की लागत से निर्मित ग्राम छोटेदेवड़ा-आवराभाटा से जैतगिरी-पाहुरबेल मार्ग, 04 करोड 39 लाख रूपए की लागत से निर्मित भैंसगांव-ठोटीपारा से अलवाही मार्ग, 03 करोड रूपए की लागत से निर्मित बोदरा से चीड़ीघाट मार्ग, 02 करोड़ 56 लाख रूपए की लागत से निर्मित देउरगांव मोंगरापाल मार्ग सहित कुल 45 करोड़ 41 लाख रूपए की लागत से 20 विकास कार्यों का लोकार्पण करेंगे।

इसी तरह विधानसभा क्षेत्र जगदलपुर के अन्तर्गत 42 करोड़ 81 लाख रूपए की लागत से निर्मित जगदलपुर बायपास मार्ग तथा 03 करोड़ 03 लाख रूपए की लागत से निर्मित रेट्रोफिटिंग जल प्रदाय योजना नेतानार, 03 करोड़ रूपए की लागत से निर्मित परपा में आजीविका संवर्धन एवं प्रशिक्षण केन्द्र भवन सहित कुल 80 करोड 14 लाख रूपए की लागत के 47 विकास कार्यों का लोकार्पण करेंगे। वहीं विधानसभा क्षेत्र चित्रकोट के अन्तर्गत 12 करोड़ 91 लाख रूपए की लागत से निर्मित तोकापाल से करंजी मार्ग, 06 करोड़ 21 लाख रूपए से निर्मित लालागुड़ा-रावतपारा से पुजारीपारा मार्ग, 04 करोड़ 18 लाख रूपए की लागत से बड़े धाराउर-पारापुर मार्ग में नानी बहार नाला पर उच्च स्तरीय पुल सहित कुल 38 करोड़ 68 लाख रूपए से अधिक लागत के 19 विकास कार्यों का लोकार्पण करेंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय अपने बस्तर प्रवास के दौरान विधानसभा क्षेत्र नारायणपुर के अन्तर्गत 02 करोड़ 97 लाख रूपए विश्रामपुरी जलाशय बांध में नवीन स्लूस वेस्ट वियर कार्य एवं नहर लाईनिंग एवं स्ट्रक्चर निर्माण कार्य, 02 करोड़ 95 लाख रूपए की लागत से निर्मित की जाने वाली तुरपुरा जलाशय बांध में नवीन स्लूस वेस्ट वियर कार्य एवं नहर लाईनिंग एवं स्ट्रक्चर निर्माण, 02 करोड़ 68 लाख की लागत से निर्मित की जाने वाली कुम्हली एनिकट कम काजवे जीर्णोद्धार कार्य तथा 02 करोड़ 27 लाख रूपए की लागत से निर्मित की जाने वाली अमलीगुड़ा एनिकट कम काजवे जीर्णोद्धार कार्य सहित कुल 13 करोड़ 28 लाख रूपए की लागत से निर्मित की जाने वाली 10 विकास कार्यों का भूमिपूजन करेंगे।

सांसद बृजमोहन के राष्ट्रीय राजमार्गों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों को केंद्र सरकार के समक्ष उठाने के प्रयास अब रंग लाने लगी

रायपुर(समय दर्शन)। सांसद बृजमोहन अग्रवाल द्वारा जनहित में कुम्हारी टोल प्लाजा बंद करने सहित राष्ट्रीय राजमार्गों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों को केंद्र सरकार के समक्ष उठाने के प्रयास अब रंग लाने लगे हैं। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सांसद को पत्र लिखकर सूचित किया है कि इन मामलों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई के लिए प्रेषित किया गया है। बृजमोहन अग्रवाल ने बीते शीत सत्र के दौरान केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर राष्ट्रीय राजमार्ग-53 पर स्थित कुम्हारी टोल प्लाजा (281 किमी) को बंद करने की मांग रखी थी। इस टोल प्लाजा से स्थानीय नागरिकों को हो रही असुविधा को ध्यान में रखते हुए इसे हटाने का प्रस्ताव दिया था।

इसके अतिरिक्त, अग्रवाल ने रायपुर-विशाखापट्टनम एक्सप्रेसवे (भारतमाला प्रोजेक्ट) में अभनपुर के पास अभनपुर-राजिम-गरियाबंद राष्ट्रीय राजमार्ग-130सी के क्रॉसिंग पॉइंट पर इंटरचेंज सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की थी। उन्होंने रायपुर शहर के मध्य स्थित रिंग रोड नं. 01 (एनएच -53) के सर्विस रोड को 05 मीटर से बढ़ाकर 11 मीटर करने और रायपुर रेलवे स्टेशन से नेशनल हाईवे 30 के जंक्शन तक बने एक्सप्रेस हाईवे को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को सौंपने की सिफारिश की थी। साथ ही अग्रवाल ने राष्ट्रीय राजमार्ग-30 (कमल विहार चौक) और एक्सप्रेस हाईवे-राष्ट्रीय राजमार्ग-30 (शदाणी दरबार) के जंक्शनों पर ग्रेड सेपरेटर बनाने का प्रस्ताव दिया था।

दिल्ली में कड़ाके की ठंड के बीच हवा खराब श्रेणी में पहुंची

नई दिल्ली। नए साल के पहले दिन दिल्ली की हवा खराब श्रेणी में रही। सुबह 8 बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 239 दर्ज किया गया। जो खराब श्रेणी में माना जाता है। दिल्ली में सोमवार को वायु गुणवत्ता में थोड़ा सुधार हुआ तथा बीते सप्ताह में हुई भारी वर्षा के बाद इसका स्तर मध्यम श्रेणी में पहुंच गया। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, नए साल के दिन दिल्ली में न्यूनतम तापमान 8.05 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि साफ आसमान के बीच अधिकतम तापमान 17.98 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है।

नए साल में अधिकारियों को मिला प्रमोशन का तोहफा, आईएएस - आईपीएस समेत 73 अफसर हुए प्रमोशन

रायपुर(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सचिवालय में पांच प्रमुख सचिव और सचिवों को कार्य विभाजन किया गया है. हालांकि, डॉ रमन सिंह के सचिवालय में भी एक सचिव अपने विभाग की फाइल मुख्यमंत्री से नहीं कराता था. ऐसा इसलिए किया गया था कि फाइल पर सेकंड ओपिनियन भी मिल सके. मगर, इस बार इस सिस्टम को और रिफाइन करते हुए और कसावट लाया गया है. प्रमुख सचिव सुबोध सिंह के हस्ताक्षर से जारी आदेश के अनुसार कुछ विभाग सुबोध सिंह के पास है. उन्होंने पांच संभाग के प्रभारी भी नियुक्त किया है. मुकेश कमार बंसल को रायपुर के साथ दुर्ग संभाग की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं पी दयानन्द को बिलासपुर संभाग की जिम्मेदारी दी गई है। इसी तरह बसवराजू को सरगुजा और राहुल भगत को बस्तर की कमान सौंपी गई है।

अमेरिका के लुइसियाना में नए साल जश्न पर आतंकी हमला; वाहन से कुचलकर 10 की मौत, 30 से ज्यादा घायल

न्यू आर्लीन्स (एजेंसी)। अमेरिका के लुइसियाना राज्य के न्यू आर्लीन्स में एक वाहन भीड़ में घुस गया, जिससे दस लोगों की मौत हो गई। जबकि तीस से ज्यादा लोग घायल हो गए। घटना बोरबन स्ट्रीट पर नए साल के जश्न के दौरान हुई। एसोसिएटेड प्रेस की रिपोर्ट ने यह जानकारी दी।

न्यू आर्लीन्स पुलिस ने कहा कि वह इस भीषण हादसे से निपट रहे हैं। एक कार ने कथित तौर पर लोगों को कुचला। एपी की रिपोर्ट के मुताबिक, न्यू ऑर्लीन्स के मेयर ने कहा कि नए साल के दिन हुई मौतों की घटना एक 'आतंकवादी हमला' था।

शहर की आपात मामलों के लिए जिम्मेदार एजेंसी नोला (न्यू ऑर्लीन्स, लुइसियाना) रेडी ने बताया कि यह घटना नई साल के पहले दिन की सुबह के शुरुआती घंटों में हुई। एजेंसी ने लोगों से अपील की कि वे घटना स्थल से दूर रहें। घायलों को पांच स्थानीय अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

नए साल की सुबह 3.15 बजे हुई घटना : नोला रेडी

नोला रेडी ने बताया कि घटना सुबह 3.15 बजे हुई। नए साल का जश्न खत्म होने ही वाला था। कुछ ही घंटे बाद ऑलस्टेट बाउल कॉलेज में फुटबॉल क्वार्टर फाइनल का आयोजन होने वाला था, जहां हजारों लोगों के मौजूद होने की संभावना थी। इस हफ्ते की शुरुआत में पुलिस विभाग ने कहा था कि नए साल के जश्न से पहले सुरक्षा को कड़ा किया जाएगा। विभाग ने बताया कि 300 अधिकारी और अन्य एजेंसियों के कर्मचारी तैनात होंगे और बड़ी तादाद में सुरक्षा में वाहनों की तैनाती होगी।

नये साल में सरकार का पहला फैसला किसानों को समर्पित - पीएम मोदी

नई दिल्ली(एजेंसी)। नए साल के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट ने किसानों को लेकर अहम फैसले लिए हैं। कैबिनेट ने डीएपी खाद पर सब्सिडी और फसल बीमा योजना को लेकर किसानों को सौगात दी है। इन मामलों पर अब पीएम मोदी की ओर से प्रतिक्रिया आई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को 'फसल बीमा योजना' के लिए आवंटन बढ़ाने सहित केंद्रीय मंत्रिमंडल के कुछ अन्य फैसलों का उल्लेख करते हुए कहा कि नये साल में सरकार का पहला फैसला किसानों को समर्पित है।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक के बाद एक पोस्ट में यह भी कहा कि उनके नेतृत्व वाली केंद्र सरकार किसानों के कल्याण को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस फैसले का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, नए वर्ष का पहला निर्णय हमारे देश के करोड़ों किसान भाई-बहनों को समर्पित है। हमने फसल बीमा के लिए आवंटन बढ़ाने को मंजूरी दी है। इससे जहां अन्नदाताओं की फसलों को और ज्यादा

सुरक्षा मिलेगी, वहीं नुकसान की चिंता भी कम होगी।

उन्होंने कहा, हमारी सरकार किसानों के कल्याण को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हमें अपने सभी किसान बहनों और भाइयों पर गर्व है जो हमारे राष्ट्र का पेट भरने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। 2025 का पहला, मंत्रिमंडल का फैसला हमारे किसानों की समृद्धि बढ़ाने के लिए समर्पित है। मुझे खुशी है कि इस संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं।

1,350 रुपये में मिलेगी डीएपी

प्रधानमंत्री ने केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा किसानों को सस्ती दर पर डीएपी उर्वरक की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए एकमुश्त विशेष पैकेज को 3,850 करोड़ रुपये तक बढ़ाने के फैसले का जिक्र करते हुए कहा कि इससे किसानों को सस्ती कीमतों पर डीएपी की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। मंत्रिमंडल के इस फैसले से किसानों को डाय-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) की 50 किलो वजन की एक बोरी 1,350 रुपये में मिल सकेगी।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना 2026 तक बढ़ाई गई

बता दें कि, प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने वर्ष 2021-22 से लेकर वर्ष 2025-26 तक कुल 69,515.71 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना को 2025-26 तक जारी रखने की मंजूरी दे दी। इस निर्णय से 2025-26 तक देश भर के किसानों को नहीं रोके जा सकने योग्य प्राकृतिक आपदाओं से फसलों के जोखिम कवरेज में मदद मिलेगी।

2024 अलविदा - 2025 Welcome

नववर्ष की मंगल शुभकामनायें ...
आइयें हम संकल्प लें
बेटी बचाए - बेटी पढ़ाए
वेदो में भी लिखा है कन्यादान महादान
घर की छत या आंगन में पक्षियों के लिए दाना - पानी अवश्य रखें
शुभाकांक्षी
डी. के. एम बालोद
Mob. 9893114015

संक्षिप्त समाचार

ओटेबंद में मनाया गया गुरु घासीदास जयंती

होमन सिंह ठाकुर समय दर्शन नंदिनी अहिवारा। परम पूज्य शिरोमणि गुरु घासीदास जयंती ग्राम ओटेबंद में मनाया गया अतिथियों के द्वारा जैतखांभ में पूजा अर्चना कर पालो चढ़ाया गया पचदेवरी पंथी पार्टी एवं बालिका पंथी पार्टी ओटबंद द्वारा प्रस्तुति दिया और गुरु घासीदास मंदिर में पालो चढ़ाया गया ग्राम वासियों के द्वारा अतिथियों का फूल माला से स्वागत किया गया ओनी महिलांग राजमहंत ने उद्बोधन में बाबा गुरु घासीदास जी के द्वारा बताए गए सत्य और अहिंसा के मार्ग में चलकर सभी मानव जीवन को सफ्ल बनाएं समाज में बुराई को त्याग कर समाज में शिक्षा का विकास हो समाज का संगठन एकता भाईचारा का सहयोग होना चाहिए बाबा जी का विचार को जीवन में आत्मसात करें। इस कार्यक्रम में राजमहंत ओनी महिलाग् छाया विधायक अहिवारा बंसीलाल कुर्रे जागरीत कुर्रे सदई जोशी जी कैलाश बंजारे सरपंच पारकर साहू समाज के अध्यक्ष वर्मा समाज के जगदीश अध्यक्ष युवराज गायकवाड बसंत गायकवाड साधे लाल महिलांग ग्राम के साटीदार भंडारी समस्त ग्रामवासी उपस्थित थे

ग्राम डिंडोरी में 125 क्विंटल अवैध धान जब्त

मुंगेली (समय दर्शन) खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में कलेक्टर राहुल देव के मार्गदर्शन में जिले के सभी उपार्जन केन्द्रों में धान खरीदी का कार्य सुचारू रूप से लगातार जारी है। वहीं अवैध रूप से धान खपाने वाले कोचियों-बिचौलियों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। लोरमी एसडीएम अजीत पुजारी ने बताया कि कलेक्टर के निर्देशानुसार क्षेत्र में राजस्व, कृषि एवं मंडी की संयुक्त टीम द्वारा लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। इसी कड़ी में संयुक्त टीम द्वारा निरीक्षण के दौरान ग्राम डिंडोरी में पुष्पराज साहू द्वारा अवैध धान 312 बोरी (125 क्विंटल) भंडारण पाया गया। पूछताछ करने पर पुष्पराज द्वारा किसी भी प्रकार का दस्तावेज पेश नहीं किए जाने के कारण संपूर्ण धान की जब्ती की कार्यवाही की गई। इस दौरान नायब तहसीलदार सी. पी. सोनी एवं शांतनु तारम, आर.ए.ई.ओ. रामेश्वर ध्रुव, अशोक क्षत्रिय, उप निरीक्षक विहर्षवर्धन पाटले और भूपेंद्र गुप्ता मौजूद रहे।

एंथम बायोसाइंसेज लिमिटेड ने 3,395 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के लिए सेबी के समक्ष दाखिल किया ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस

रायपुर। एंथम बायोसाइंसेज लिमिटेड ने 3,395 करोड़ रुपये के अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल किया है। एंथम बायोसाइंसेज लिमिटेड, एक नवाचार-आधारित और टेक्नोलोजी-केंद्रित कोंट्रेक्ट रिसर्च, विकास और विनिर्माण संगठन (CRDMO) है, जिसका संचालन पूरी तरह से दवा खोज, विकास और विनिर्माण से संबन्धित है। बैंगलोर स्थित कंपनी के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम में शेयरधारकों द्वारा 3,395 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयरों का ऑफ़र फॉर सेल (OFS) शामिल है। ऑफ़र फॉर सेल में प्रमोटर सेलिंग शेयरहोल्डर्स गणेश संबासिवम और के रविंद्र चंद्रप्पा शामिल हैं, जो प्रत्येक 350 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयर बेच रहे हैं। निवेशक सेलिंग शेयरहोल्डर्स में, विरिडिटी टोन एलएलपी (ट्रू नॉर्थ) 1,325 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयर बेचेगी, जबकि पोट्समाउथ टेक्नोलॉजीज एलएलसी 320 करोड़ रुपये के इक्विटी शेयर बेचेगी। बेचने वाले अन्य शेयरधारकों में मलय जे बरुआ, रूपेश एन किनेकर, सतीश शर्मा प्रत्येक द्वारा 320 करोड़ रुपये तक, प्रकाश करियाबेटन द्वारा 80 करोड़ रुपये तक और के रामकृष्णन द्वारा 10 करोड़ रुपये तक के शेयर ऑफ़र फॉर सेल में शामिल हैं। 2006 में निगमित की गई इस कंपनी की भारत में दो परिचालन विनिर्माण सुविधाएं हैं, यूनिट-1 (बोम्मासंद्रा) और यूनिट-2 (हरोहल्ली), दोनों कर्नाटक में हैं, जिनकी कुल वार्षिक कस्टम सिंथेसिस क्षमता और फ़र्मेंटेशन क्षमता 30 सितंबर, 2024 तक क्रमश: 270 kL और 142 kL है।

पूर्व सांसद ताराचंद साहू के जयंती स्वाभिमान दिवस के रूप में मनाया गया

12 जनवरी से को होगी तहसील स्तरीय साहू युवा सम्मेलन

19 एवं 20 अप्रैल को अमलेश्वरडीह सामूहिक आदर्श विवाह एवं तहसील स्तरीय कर्मा जयंती समारोह

पाटन (समय दर्शन)। तहसील साहू संघ पाटन कार्यकारिणी बैठक 01 जनवरी को साहू सदन पाटन में आयोजित किया गया। तहसील साहू संघ के पदाधिकारियों द्वारा पूर्व सांसद स्व.ताराचंद साहू की जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। इस मौके पर तहसील अध्यक्ष दिनेश साहू ने कहा स्व.ताराचंद साहू शिक्षक से विधायक और सांसद बनकर समाज को गौरांवित किया उन्होंने छत्तीसगढ़ियों के स्वाभिमान के लिए अपने पद को खूंटी में टांग दिया था।

बैठक में स्वामी विवेकानन्द जयंती के अवसर पर हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी 12 जनवरी को युवा सम्मेलन का आयोजन करने का निर्णय लिया गया। जिसमें रक्तदान शिविर,सामाजिक युवक युवतियों द्वारा प्रेरणाप्रद प्रहसन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा। एवं समाज के मद से निर्मित अहाता एवं अतिरिक्त कमरा का लोकार्पण भी किया जाएगा।

तहसील साहू संघ पाटन द्वारा विगत 22 वर्षों से सामूहिक आदर्श विवाह का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष का आयोजन झीट परिक्षेत्र के अमलेश्वरडीह में 19 एवं 20 अप्रैल को आयोजित किया गया है जिसकी तैयारी के संबंध में चर्चा किया गया।

बैठक में मुख्य रूप से अश्वनी साहू प्रदेश प्रतिनिधि ,दिनेश साहू तहसील अध्यक्ष, गंगादीन साहू,किशोर साहू,डॉ गुलाब साहू,किशन हिरवानी,डॉ सुरेश साहू,गोपेश साहू,सरिता साहू,गायत्री साहू,भुनेश्वरी साहु, कोमीन साहू,सुरेन्द्र साहू, टेस राम साहू, रविशंकर साहू, दुलेश्वर साहू,कल्याण साहू,देव नारायण साहू,रामनारायण साहू,मनीष साहू,रामाधार साहू,राजू साहू,संजू साहू,नारद साहू,श्यामलाल साहू, कुलेश्वर साहू,गरीब दास साहू, लोकेश साहु,राधेलाल,सुखदेव साहू,सोहन साहू,द्वारिका साहू, कुलेश्वर साहू, करण साहू,मुरारी साहू,गोकुल साहू,सहित अन्य उपस्थित थे।

कविता शर्मा अखंड ब्राम्हण समाज सेवा समिति नारी प्रकोष्ठ की अध्यक्ष मनोनीत

भाटापारा (समय दर्शन)। अखंड ब्राम्हण समाज सेवा समिति नारी प्रकोष्ठ का पुनर्गठन सरयू सदन में किया गया। प्रांतीय उपाध्यक्ष ऊषा मिश्रा की अनुशंसा पर पूर्व अध्यक्ष स्वर्ण लता त्रिवेदी ने माला पहनाकर अध्यक्ष पद का दायित्व सतत सक्रिय एवं उर्जावान व्यक्तित्व कविता शर्मा को अर्पित किया, वहीं अन्य पदाधिकारीगण जिनमें उपाध्यक्ष भावना मनीष शुक्ला संगठन सचिव लता अरूण शर्मा सचिव मीता शर्मा, सह सचिव किरण उपाध्याय , कोषाध्यक्ष सीमा तिवारी, उप कोषाध्यक्ष- शशि पांडे, सांस्कृतिक प्रभारी रश्मि तिवारी, शालिनी तिवारी, सुषमा शर्मा।

मिडिया प्रभारी प्रमुख सरिता मुकेश शर्मा मीडिया प्रभारी ममता दीवान एवं कार्यकारणी सदस्य खगेश शर्मा,लता पांडे,निशा आनंद शर्मा,रत्ना पांडे,आशा तिवारी,शानू पांडे,ज्योति पांडे,तृप्ति शुक्ला,पिंकी शर्मा,मुनिया तिवारी ,साधना मिश्रा,प्रियंका तिवारी,सरोज तिवारी,सुनीला पांडे,अनिता दुबे,अंजली दुबे,संध्या तिवारी सर्व सम्मति से मनोनीत किए गये, नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को संरक्षिका निशा नरेंद्र शर्मा, मंजू रतन शर्मा, उषा किरण तिवारी, शशि दुबे।

मार्ग दर्शिका सीमा शिवरतन शर्मा, अंजू बसंत भृगु , सीमा अवस्थी, रेखा शर्मा संयोजिका- सुषमा मिश्रा, चंद्र किरण शर्मा , आशा लखन शर्मा, स्वर्णलता त्रिवेदी एवं उपस्थित सदस्यो द्वारा हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाए देते हुए संगठन के दायित्व के कुशल निर्वहन तथा निरंतर रचनात्मकता की ओर बढ़ते रहने का आव्हान किया गया। मनोनयन की प्रक्रिया संपन्न होने के पश्चात नवनिर्वाचित अध्यक्ष कविता शर्मा द्वारा समस्त सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए सभी के स्नेह एवं सहयोग की कामना की गयी।

अवैध काष्ठ परिवहन करने पर वन विभाग ने 8 ट्रैक्टर किए गए जप्त

बालोद। वनमंडलाधिकारी श्री बीएस सरोटे के निर्देशन एवं उपवनमंडलाधिकारी सुश्री डिम्पी बैस के मार्गदर्शन में जिले में अवैध काष्ठ परिवहन पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 08 ट्रैक्टर को जप्त किया गया है। वनमंडलाधिकारी श्री बीएस सरोटे ने बताया कि वन विभाग के अमले द्वारा रात्रिगश्त के दौरान बालोद-लोहारा मुख्य मार्ग पर पाररास से जुंगेरा के बीच 04 ट्रैक्टर, बघमरा-बालोद मार्ग रेलवे फाटक के पास 01 ट्रैक्टर, वनोपज जाँच नाका तालगांव के समीप 01 ट्रैक्टर तथा ग्राम चैरेल के पास 02 ट्रैक्टर को अवैध काष्ठ परिवहन किये जाने के कारण जप्त किया गया।

महात्मा गांधी की प्रतिमा सत्य, अहिंसा और उनके आदर्शों की प्रेरणा को हमेशा जीवंत रखेगी - इन्द्र साव

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के आदम कद प्रतिमा का अनावरण विधायक इन्द्र साव ने किया

शत्रुघ्न लाल

भाटापारा। ग्राम अकलतरा में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की आदम कद प्रतिमा का अनावरण विधायक इन्द्र साव के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता रमेश यदु, पूर्व मंडी उपाध्यक्ष एवं विशिष्ट अतिथि झाडूराम यदु, पूर्व सरपंच थे। साथ ही विधायक द्वारा विभिन्न विकास कार्य के लिए भूमिपूजन किया गया, विद्यालय परिसर में पेवर ब्लॉक समतलीकरण का लोकार्पण भी किया गया। विधायक इन्द्र साव ने उद्बोधन में कहा बापू की यह प्रतिमा सत्य, अहिंसा और उनके आदर्शों की प्रेरणा को हमेशा जीवंत रखेगी। देश की युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाने महात्मा गांधी के विचार को आत्मसात करना जरूरी है।

रमेश यदु ने कहां कांग्रेस की प्राथमिकता हमेशा गरीब, मजदूर, किसान, बेसहारा, असहाय की सेवा करना है और इसी उद्देश्य को लेकर दलगत राजनीति से उपर उठकर विधायक द्वारा गांव के विकास को प्राथमिकता दी गई है।यह हमारे लिए गर्व की बात है। कार्यक्रम को जनपद उपाध्यक्ष सुरेन्द्र यदु, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष राजकुमार शर्मा ने संबोधित किया। इस अवसर पर विमला यदु पूर्व सरपंच, ज्वाला प्रसाद घृतलहरे पूर्व सरपंच, संतोष नेता पूर्व सरपंच, दुर्गा यदु पंच, राधेश्याम ध्रुव विधायक प्रतिनिधि, दिलीप साहू पूर्व अध्यक्ष शाला विकास समिति, सत्यजीत शेण्डे, आकिब मेमन, राजकुमार सोनवानी, विश्राम ध्रुव, समय लाल साहू, शिव यदु, तिहारू कुर्रे, राधेश्याम ध्रुव, मनहरण साहू, विनोद ध्रुव, शेषनारायण यदु, दिलीप साहू, दिनेश साहू राजू वर्मा, मोहन ध्रुव, सीरिज पाटले, अजय मिरी, मंतराम सतनामी, संभू ध्रुव सहित सैकड़ों ग्रामीण जन उपस्थित थे।

कलेक्टर-पुलिस अधीक्षक ने बालगृह के बच्चों के साथ केक काटकर मनाया नववर्ष, दी बधाई

बच्चों को उपहार स्वरूप पाठ्य सामग्री प्रदान कर बेहतर पढ़ाई करने के लिए किया प्रेरित

मुंगेली (समय दर्शन) कलेक्टर राहुल देव और पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल ने जिला मुख्यालय मुंगेली के रामगढ़ में संचालित बालगृह के बच्चों के साथ केक काटकर नववर्ष मनाया। उन्होने बच्चों को नववर्ष की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इससे पहले कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने बच्चों से परिचय प्राप्त किया और उन्हें नववर्ष के अवसर पर उपहार स्वरूप पाठ्य सामग्री ड्राइंग बुक, पेंसिल, रबर, इरेज़र प्रदान कर बच्चों का मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। कलेक्टर ने कहा कि बालगृह के बच्चों के साथ नववर्ष मनाने का अवसर मिला, जो खुशी की बात है। उन्होने कहा कि बालगृह के बच्चे भी किसी से कम नहीं है। जिला प्रशासन बच्चों की बेहतरी के लिए उनके साथ है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जीवन में आगे बढ़ने और अपने आप को स्थापित करने के लिए शिक्षा अत्यंत जरूरी है। जो हम यहां है। वह शिक्षा के बदौलत हीं है। उन्होने बालगृह के बच्चों से कहा कि वे जितना अच्छा कर सकते है। उतना बेहतर करें। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रभाकर पाण्डेय ने भी बालगृह के बच्चों को नववर्ष की बधाई दी। उन्होंने कहा कि बच्चे एक दूसरे से सीखे और जीवन में आगे बढ़े।

कलेक्टर-एसपी ने दो बच्चों को जन्मदिन की दी बधाई- नव वर्ष के अवसर पर 01 जनवरी को बालगृह में दो बच्चों का जन्मदिन भी मनाया गया। दोनों बच्चों ने एक साथ केक काटकर अपना जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर कलेक्टर और एसपी ने बच्चों को जन्मदिन की बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। दोनों बच्चे अपने जन्मदिन के अवसर पर कलेक्टर और एसपी को अपने बीच पाकर काफी खुश दिखाई दिए।

कलेक्टर-एसपी ने बाल गृह के बच्चे द्वारा बनाई गई सुंदर ड्राइंग को सराहा- कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने बालगृह में रह रहे बच्चे द्वारा बनाई गई सुंदर ड्राइंग का अवलोकन किया। कलेक्टर ने बच्चें की प्रतिभा की सराहना करते हुए उन्हें उपहार स्वरूप नगद राशि प्रदान किया। बता दे कि बालगृह में बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ ड्राइंग, पेंटिंग, डांसिंग, खेलकूद सहित विभिन्न गतिविधियों में आगे बढ़ाने के लिए भी प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर जिला बाल संरक्षण अधिकारी श्रीमति अंजू बाला शुक्ला, चाईल्ड लाईन केंद्र के समन्वयक उमाशंकर कश्यप और बालगृह के अधीक्षक उपस्थित थे।

सार समाचार

नकली पनीर का बड़ा जखीरा पकड़ाया

रायपुर(समय दर्शन)। अगर आप पनीर के शौक़ीन हैं, तो यह खबर आपके लिए बेहद महत्वपूर्ण है। छत्तीसगढ़ के खाद्य एवं औषधि विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए रायपुर के पास एक नकली पनीर बनाने वाली फैक्टरी को सील कर दिया है। इस फैक्टरी से 2500 किलो नकली पनीर जब्त किया गया है, जिसे स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक बताया जा रहा है। खाद्य एवं औषधि विभाग को सूचना मिली थी कि रायपुर के बीरगांव स्थित काशी एग्रो फूड्स नामक फैक्टरी में बिना दूध के पनीर बनाया जा रहा था। इस पनीर में डालडा, पाम ऑयल, मैदा और हानिकारक रसायन जैसी चीजें मिलाई जा रही थीं, जो इंसान के स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हो सकती हैं। विभाग ने मौके पर छापा मारते हुए फैक्टरी को सील कर दिया और सारे नकली पनीर को जब्त कर लिया। जांच के दौरान पाया गया कि इस पनीर को बनाने के लिए पानी का इस्तेमाल किया जा रहा था, जिसका कुल घुलनशील ठोस 900 था, जो सामान्य पनीर से बहुत ज्यादा है। इसके अलावा, पनीर में भारी धातुएं और हानिकारक रसायन भी पाए गए। यह सब मिलकर पनीर के स्वाद और स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल सकते हैं। इस पूरी कार्रवाई का नेतृत्व खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के नियंत्रक चंदन कुमार ने किया। टीम में सहायक आयुक्त मोहित बेहरा, खाद्य सुरक्षा अधिकारी राखी ठाकुर, और अन्य कर्मचारी शामिल थे। नकली खाद्य सामग्री से बचने के लिए हमें हमेशा सतर्क रहना चाहिए। विशेषकर, अगर पनीर जैसी उत्पादों की बात हो, तो उनकी गुणवत्ता और स्रोत का ध्यान रखना बेहद जरूरी है।

तेज रफ्तार हाइवा ने दो मासूमों को रौंदा

रायपुर(समय दर्शन)। राजधानी रायपुर से लगे धरसींवां इलाके में दर्दनाक सड़क हादसे में दो बच्चों की मौत हो गई. रायपुर-बिलासपुर हाईवे पर सांकरा से सिमगा सिक्स लाइन पर देर रात ट्रक चालक ने जानबूझकर सड़क किनारे बैठे तीर्थ यात्रियों के ऊपर गाड़ी चढ़ा दी, जिससे दो बच्चों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया. वहीं 13 लोग घायल हो गए.जानकारी के मुताबिक, घटना सांकरा से सिमगा सिक्स लाइन पर सिलतरा ओवरब्रिज के ऊपर हुई. धमतरी का साहू परिवार अमरकंटक की यात्रा कर कार से वापस धमतरी की ओर आ रहा था। अचानक गाड़ी में कुछ खराबी आने से साहू परिवार सिक्स लाइन किनारे गाड़ी खड़ी कर सुधार रहा था. सभी यात्री सड़क किनारे बैठे हुए थे, तभी सीमेंट से सीमेंट लेकर आ रहे ट्रक क्रमांक 8811 के चालक महेंद्र कुमार ने सड़क किनारे की पट्टी पर गाड़ी दौड़ाते हुए सड़क किनारे बैठे तीर्थ यात्रियों को रौंद दिया।

पंडित रविशंकर शुक्ल यूनिवर्सिटी के खेल मैदान में आयोजित फुटबॉल मैच में केरल का दबदबा रहा

वन मंत्री केदार कश्यप ने मैदान पहुँचकर जनजाति खिलाड़ियों का बढ़ाया हौसला

रायपुर(समय दर्शन)। राजधानी रायपुर में चल रही 24 वीं राष्ट्रीय वनवासी क्रीडा प्रतियोगिता के आज तीसरे दिन फुटबॉल के कुल 09 मैच खेले गए जिसमें दो सेमीफाइनल के मैच भी शामिल है। छत्तीसगढ़ के वन मंत्री एवं स्वागत समिति के अध्यक्ष केदार कश्यप ने कोटा स्टेडियम और तीरंदाजी खेल परिसर में पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया उन्होंने सभी खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और बेहतरीन खेल दिखाने के लिए सभी का हौसला बढ़ाया। पंडित रविशंकर शुक्ल यूनिवर्सिटी के खेल मैदान में आयोजित फुटबॉल मैच में केरल का दबदबा रहा केरल ने आज के अपने तीनों मैच जीते और फाइनल में जगह बनाई। सेमी फाइनल में केरल का मुकाबला मिजोरम से हुआ जहां केरल ने मिजोरम को मात देकर फाइनल में स्थान बनाया। पहले केरल ने दक्षिण बंगाल के साथ हुए मैच को टाई ब्रेकर तक खींचा और उसके बाद टाई ब्रेकर में दक्षिण बंगाल को एक गोल से हराया। एक दूसरे मैच में मध्य भारत और नागालैंड के बीच बेहद रोमांचक मैच हुआ जिसमें नागालैंड के विनाश ने एकमात्र गोलकर अपनी टीम को विजय दिलाई। जशपुर और मिजोरम के मैच में टोपजी राम ने दो गोल कर जशपुर को 2- 1 से हराया और सेमीफाइनल में अपनी

जगह बनाई । केरल और नागालैंड के मैच में भारी गहमा गहमी रही।केरल ने मैच को 2- 1 से जीत कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। कोटा स्टेडियम पर आज 5 मैच खेले गए । झारखंड और उत्तर बंगाल के मैच में झारखंड में एक गोल से जीत हासिल की उत्तर बंगाल की टीम कोई गल नहीं कर सकी। गोवा की टीम ने राजस्थान को 4-0 से शिकायत दी। वही झारखंड और महाकौशल के बीच हुए मैच में झारखंड ने तीन गोल किए महाकौशल केवल एक ही गोल कर पाया । झारखंड ने मैच जीत कर सेमीफाइनल में जगह बनाया। पहले सेमीफाइनल में केरल और मिजोरम के बीच हुए मैच में दोनों टीमें छाई रही दोनों टीमों के खिलाड़ी निर्धारित समय तक कोई गोल नहीं कर सके । टाई ब्रेकर में केरल के खिलाड़ियों ने अपना वर्चस्व बनाए रखा और चार गोल किए। मिजोरम की टीम केवल तीन गोली कर सकी इस प्रकार केरल ने 4 - 3 से मैच जीत कर फाइनल में जगह बनाई। दूसरे सेमीफाइनल मैच में संथाल परगना और झारखंड के बीच हाई वोल्टेज मैच हुआ। मैच में कोई भी टीम निर्धारित समय में गोल नहीं कर सकी। सडन डेथ में झारखंड ने चार गोल किए लेकिन संथाल परगना ने बेहतर खेल दिखाया और पांच गोलकर फाइनल में प्रवेश किया।

सामाजिक समरसता को राष्ट्रीय चरित्र का मूलभूत तत्व=मोहन भागवत

रायपुर(समय दर्शन)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूजनीय सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत ने सामाजिक समरसता को राष्ट्रीय चरित्र का मूलभूत तत्व बताया है. 30 दिसंबर को उन्होंने सामाजिक समसरता गतिविधि से जुड़े कार्यों पर स्वयंसेवकों व अधिकारियों से चर्चा कर उनका मार्गदर्शन किया. इस अवसर पर डॉ मोहन भागवत ने कहा कि भारत में प्रत्येक गांव, तहसील व जिले में सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करने वाली सज्जन शक्ति रहती है. उन्होंने हमेशा जाति, पंथ से ऊपर राष्ट्रीय हितों को रखा. यही वजह है कि 140 करोड़ भारतीय किसी भी धर्म, जाति, पंथ से क्यों न आते हों वह अपने राष्ट्रीय चरित्र को नहीं भूलते. देश में भाषा, वेशभूषा, पूजा पद्धति, उपासना के अलग-अलग आचरण करने वाले पंथ, जाति को भारतीयता की डोर एक सूत्र में पिरोये रखती है. आज राष्ट्रीय चरित्र की स्थापना के लिए सामाजिक समरसता की जड़ों को मजबूत करना होगा. उन्होंने कहा, मंदिर, जलाशय, शमशान आदि पर सभी जाति, पंथ, वर्गों का समान अधिकार है. यह कोई आज से है, ऐसा नहीं है. यह भारत का शाश्वत आचरण है. डॉ मोहन भागवत ने कहा, हमारी ज्ञान परंपरा कहती है, हिन्दव: सोदरा: सर्वे, न हिंदू पतितो भवेत. मम दीक्षा धर्म रक्षा, मम मंत्र समानता. अर्थात हम सभी हिन्दू भाई-भाई हैं, कोई हिन्दू पतित नहीं हो सकता. भारतीय जीवन मूल्यों में सामाजिक समरसता के दर्शन होते हैं, आज आवश्यकता इस बात की है कि हम ऐसे ऋषि मुनियों, सन्त व हुतात्माओं के चिंतन व दर्शन को आत्मसात करें.

नववर्ष में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम के दावों के बीच राजधानी में डबल मर्डर से फैली सनसनी

रायपुर(समय दर्शन)। प्रदेश में अपराध का ग्राफकम होने का नाम नहीं ले रहा है। आए दिन अपराधी चाकूबाजी, हत्या जैसे कई अपराधिक घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। ऐसा ही एक मामला राजधानी रायपुर से सामने आया है। जहां एक ही दिन में दो लोगों की हत्या कर दी गई। घटना के बाद इलाके में सनसनी का माहौल बना हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार, मामला डीडी नगर थाना क्षेत्र के चंगोराभांठा इलाके की है। जहां देर रात तीन आरोपियों दो युवकों पर चाकू से हमला कर दिया। जिससे दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए थे। जिसके बाद दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां देर रात 3 बजे एक युवक ने दम तोड़ दिया, तो वहीं दूसरे युवक की सुबह 7 बजे मौत हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद सभी अज्ञात आरोपी फरार हो गए। आपको बता दें कि देर रात अज्ञात आरोपियों और युवकों के बीच कुछ बात को लेकर विवाद हो गया था। जिसके बाद अज्ञात आरोपियों ने दोनों युवक पर चाकू से हमला कर दिया। आनन फानन में दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान दोनों युवक की मौत हो गई। मृतक युवकों को नाम कृष्णा यादव और सचिन बडोले है। घटना की शिकायत के बाद पुलिस से मामले की जांच में जुटी हुई है। इधर घटना को लेकर इलाके में सनसनी फैल गई है। वहीं दूसरा मामला आमानाका इलाके का है। जहां धीरेन्द्र राजपूत नामक युवक पर चाकू से हमला किया गया। जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद आमानाका पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि इस बात का जानकारी सामने नहीं आई है कि आरोपियों ने किस बात को लेकर युवक को चाकू मारा है। घटना के बाद पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले की जांच में जुट गई है। आपको बता दें कि इन दिनों राजधानी में अपराधों की बढ़ती संख्या एक गंभीर चिंता का विषय बन चुकी है, प्रदेश में अपराध का ग्राफ लगातार बढ़ता जा रहा है, जो न केवल सुरक्षा के लिहाज से खतरे की घंटी है, बल्कि यह समाज के समग्र विकास और शांति के लिए भी एक बड़ी चुनौती है।

कार्यकर्ताओं की उपेक्षा देखकर कोई भी कांग्रेस का सदस्य नहीं बनना चाहता : भाजपा

रायपुर(समय दर्शन)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता संदीप शर्मा ने कहा है कि आज छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की लगातार दुर्गति हो रही है, लेकिन बजाय इससे सबक लेने के कांग्रेस के लोग आपसी सिर-फुटौव्वल में लगे हुए हैं। शर्मा ने कहा कि भाजपा के संगठन महापर्व में छत्तीसगढ़ में भाजपा ने 60 लाख सदस्य बनाकर इतिहास रचा है और कांग्रेस की दुर्दशा का आलम यह है कि वहाँ कोई सदस्य बनने के लिए जरा भी इच्छुक नहीं है। प्रदेश प्रवक्ता शर्मा ने कहा कि कार्यकर्ताओं और नेताओं के अभाव से जूझ रही कांग्रेस की राजनीतिक दरिद्रता का इससे अधिक परिचय और क्या होगा कि अब कांग्रेस नेतृत्व को पिछले चुनावों के और निष्कासित नेताओं से आवेदन मंगवाना पड़ा है! कांग्रेस के इसी राजनीतिक चरित्र के कारण एक तरफ जहाँ सम्मेलनों में बड़े नेताओं को कार्यकर्ता मुँह पर खूब खरी-खोटी सुनाने में नहीं हिचक रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस में कार्यकर्ताओं की उपेक्षा और अपमान को देखकर कोई भी कांग्रेस का सदस्य बनने के लिए तैयार नहीं है। शर्मा ने कहा कि भाजपा की ऐतिहासिक सदस्य संख्या भाजपा के प्रति अटूट जन-विश्वास का प्रमाण पत्र है। भाजपा विश्व की एकमात्र सबसे बड़ी कार्यकर्ता आधारित पार्टी है और उसकी तमाम व्यवस्थाएँ अपने दलीय संविधान के अनुरूप संचालित होती हैं, जबकि एक परिवार की चरण वंदना ही कांग्रेसियों की कुल जमा राजनीतिक पूंजी है और अपराध और भ्रष्टाचार कांग्रेस सदस्यता की योग्यता का एकमात्र मापदंड रह गया है।

फार्म हाउस से शराब का जखीरा बरामद

रायपुर(समय दर्शन)। नए साल पर होटल, होटल के बाद रिसॉर्ट और अब फार्म हाउस पार्टी का चलन हो गया है. बदलते ट्रेंड से भली-भांति वाकिफ आबकारी विभाग ने राजधानी के समीप स्थित दो फार्म हाउस और क्लब में छापामार कर बड़े पैमाने पर विदेशी शराब जब्त की. जानकारी के अनुसार, राज्य स्तरीय और रायपुर संभागीय उड़नदस्ता ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 30 दिसंबर को राजधानी के वीआईपी रोड स्थित आदित्य फार्म और आर्क विला के साथ भाटागांव स्थित महावीर फार्म में दबिश दी. आदित्य फार्म में ब्लैक लेबल, वोदका, बडवाइजर बियर मिलाकर 7.300 लीटर शराब जब्त किया. महावीर फार्म में 3.250 लीटर शराब और आर्क विला में व्हिस्की जब्त किया गया. तीनों स्थान में मिली सामग्रियों पर छग आबकारी अधिनियम की धारा 34(1), 34(2) ख और 36 के तहत कार्रवाई की गई।

ऑफिस के गल्ले से रुपए पार

रायपुर(समय दर्शन)। केबीटी 10 फेस 3 कबीरनगर स्थित ऑफिस का ताला तोड़कर अज्ञात चोर ने 45500 रुपए पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर कबीरनगर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी दिलीप मिश्रा 40 वर्ष केबीटी 10 फेस 3 कबीरनगर का रहने वाला है। प्रार्थी वहां पर अपना ऑफिस चलाता है। बताया जाता है कि अज्ञात चोर ने प्रार्थी के ऑफिस के शटर का ताला तोड़कर गल्ला में रखे नकदी 45500 रुपए पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर कबीरनगर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर नवा रायपुर अटल नगर के लेयर 2 में एकीकृत उपनगर के विकास को प्रोत्साहित करने के उ?द्देश्य से मौजूदा नियमों को अधिक सरल और व्यावहारिक बनाया गया है।

पूर्व मंत्री कवासी लखमा को मिलता था मोटा कमीशन!

रायपुर(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के कांग्रेस विधायक और पूर्व उत्पाद शुल्क मंत्री कवासी लखमा (71) ने शराब घोटाले से हुई अपराध की आय का हिस्सा नकदी के रूप में प्राप्त किया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को दावा किया कि लखमा को हर महीने बड़ी संख्या में नकदी प्राप्त होती थी। ईडी ने इसे लखमा के खिलाफप्रमुख सबूत बताया है। संघीय एजेंसी ने मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत 28 दिसंबर को छत्तीसगढ़ के रायपुर, सुकमा और धमतरी जिलों में लखमा और उनके बेटे हरीश लखमा के परिसरों पर छापे मारे थे। तलाशी अभियान लखमा के आवासीय परिसर में चलाया गया था। ईडी अधिकारी का कहना है कि तलाशी अभियान के दौरान पता चला है कि लखमा ने उत्पाद शुल्क मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल दौरान नकदी के रूप में अपराध की आय प्राप्त की थी। अब निदेशालय अपराध की आय को नकद में इस्तेमाल करने से संबंधित सबूत इकट्ठा करने में सक्षम चुका है। छापों के दौरान कई डिजिटल उपकरण भी जब्त किए गए, जिनके बारे में माना जाता है कि उनमें आपत्तिजनक रिकॉर्ड मौजूद थे।

सड़क दुर्घटना से बचाने के लिए मवेशियों और कुत्तों को पहनाया रिफ्लेक्टिव कॉलर

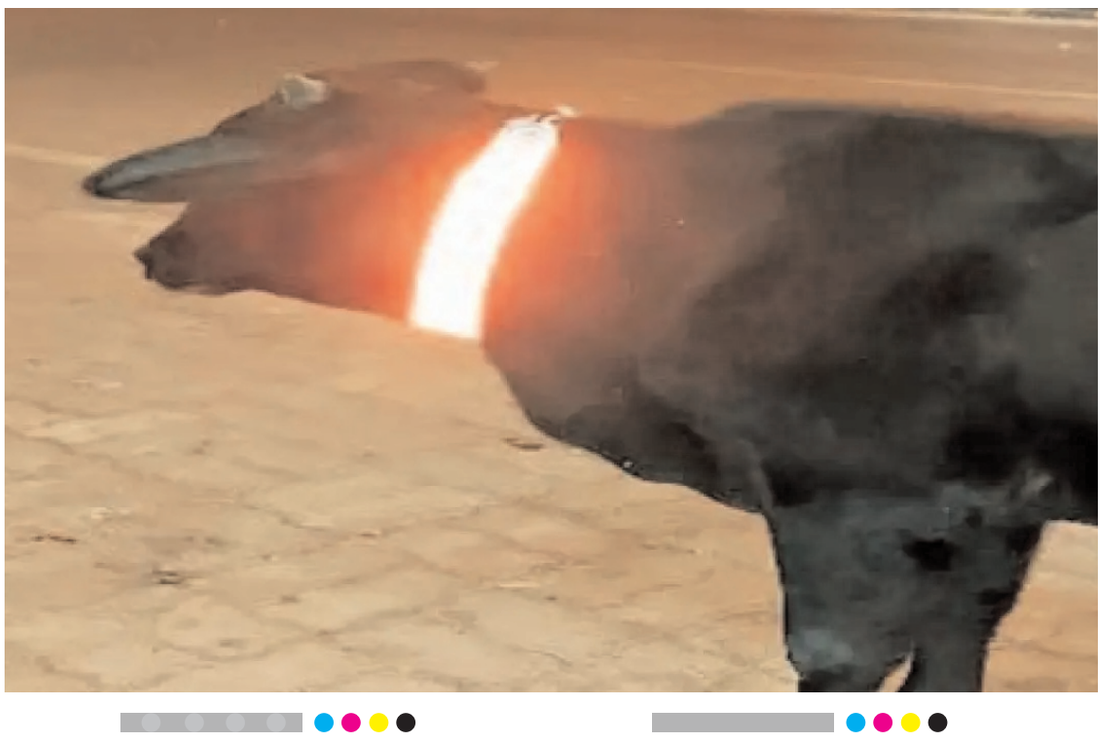

रायपुर(समय दर्शन)। स्ट्रे कीपर्स-एनिमल वेलफेयर फाउंडेशन ने कई स्थानीय एनिमल एक्टिविस्ट के साथ मिलकर प्रसिद्ध उद्योगपति और परोपकारी दिवंगत रतन टाटा की जयंती के उपलक्ष्य में एक सफल रिफ्लेक्टिव कॉलर (रेडियम) ड्राइव का आयोजन किया। इस अभियान का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं को कम करना था, जिसमें आवारा मवेशियों और कुत्तों को रिफ्लेक्टिव कॉलर पहनाकर रात के समय वाहनों के लिए उनकी दृश्यता सुनिश्चित की गई। डायरेक्टर डॉ. दीपशिखा का कहना है कि आंकड़ों को देखें तो भारत में हर मिनट एक मौत एक्सिडेंट से होती है, यह रेडियम का पट्टा अंधेरे में गाड़ी की लाइट पड़ते ही चमकने लगेगा, गाड़ी चलने वाले को मवेशी दिखेंगे और एक्सिडेंट से रोका जा सकेगा। इस अभियान के तहत 300 कुत्तों और 300 गायों को रिफ्लेक्टिव कॉलर पहनाए गए। टाटीबंध, रिंगरोड 3 बिलासपुर हाइवे, न्यू रायपुर, सेजबहार धमतरी रोड और आरंग हाईवे समेत कई स्थानों पर जाकर जानवरों को खुद कॉलर पहनाए। डायरेक्टर डॉ. अर्वतिका ने भी इस ड्राइव में भाग लिया और आसपास के लोगों को इसकी अहमियत समझाई, उन्हें बताया कि इस पहल से इंसान और जानवर दोनों की जान बचाई जा सकती है। ठंड से कुत्तों को बचाने के लिए बोरा बेड और ड्रम बेड निशुल्क वितरित किए गए, जो विशेष रूप से पिल्लों के लिए उपयोगी साबित हुए। इस वितरण को स्वयंसेवकों का भारी समर्थन मिला, जिन्होंने इसे सफल बनाने के लिए कड़ी मेहनत की। डॉ.मोनिका का कहना है कि रोड पर जानवरों की बहुत दयनीय स्थिति रहती है, वे भूखे- प्यासे गर्मी, बारिश, ठंड में भटकते हैं। हम सभी को मिलकर उनका ध्यान रखना चाहिए, यह हमारी जिम्मेदारी है। यह आयोजन रायपुर में सभी एनिमल एक्टिविस्ट के सामूहिक प्रयासों को उजागर करता है, जो आवारा जानवरों की सुरक्षा और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हैं। आयोजकों ने सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद किया और समुदाय से ऐसी नेक पहल को समर्थन देने की अपील की।

मलाई खाकर कवासी लखमा खुद को बता रहे अनपढ़-भाजपा

रायपुर(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के कथित 2000 करोड़ के शराब घोटाले की आग नए सरकार के कार्यकाल का 1 साल पूरा होने पर भी नहीं बुझी है. बीते दिनों पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा के घर में ईडी की दबीश से राज्य की राजनीति में उबाल आ गया है. अब पूछताछ के लिए कांग्रेस नेता कवासी लखमा के ईडी दफ्तर नहीं पहुंचने पर भाजपा ने सोशल मीडिया पर पोस्टर जारी करते हुए प्रहार किया है. सोशल मीडिया पर भाजपा ने एक पोस्ट जारी किया है. इसमें शराब घोटाले में पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा नहीं पहुंचे पर कहा है कि भूपेश के कुशासन में हुए 2000 करोड़ रुपए के शराब घोटाले में ईडी के पूछताछ में बुलाए जाने पर पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा नहीं पहुंचे, उनका ईडी से बचना ये बताता है कि दाल में बहुत कुछ काला है. मामले में ईडी की पूछताछ में कवासी लखमा सहयोग नहीं कर रहे हैं और मलाई चाटकर खुद को अनपढ़ बता रहे हैं।

संपादकीय

कांग्रेस को गहन विचार-विमर्श करना चाहिए

मुमकिन है, इसके पीछे प्रमुख कारण अडानी के खिलाफ राहुल गांधी के लगातार हमले और उनकी कुछ दूसरी नीतियां रही हों। फिर भी वह वक्त अब निर्णायक मोड़ पर है, जब कांग्रेस को बन रहीं विपरीत परिस्थितियों पर गहन विचार-विमर्श करना चाहिए। इंडिया गठबंधन के अंदर कांग्रेस से अलगाव का रुझान और आगे बढ़ा है। अब नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने कहा है कि कांग्रेस गठबंधन का नेता बने रहना चाहती है, तो उसे यह स्थान मेहनत से कमाना पड़ेगा। अब्दुल्ला ने ईवीएम में हेरफेर को लेकर %रोने की प्रवृत्ति' से कांग्रेस को बाहर आने की सलाह भी दी और कहा कि उसे चुनाव नतीजों को स्वीकार करना सीखना चाहिए। इसके पहले गठबंधन के नेता के रूप में कांग्रेस या राहुल गांधी की हैसियत को ममता बनर्जी, शरद पवार और लालू प्रसाद यादव से प्रत्यक्ष एवं शिवसेना (उद्धव) और डीएमके से परोक्ष चुनौती मिल चुकी है। मुमकिन है कि इस प्रवृत्ति के पीछे प्रमुख कारण अडानी ग्रुप के खिलाफ राहुल गांधी के लगातार हमले और उनकी कुछ दूसरी नीतियां रही हों। इसके बावजूद वह वक्त अब निर्णायक मोड़ पर है, जब पार्टी को बन रहीं विपरीत परिस्थितियों पर गहन विचार-विमर्श करना चाहिए। यह तथ्य है कि कांग्रेस गठबंधन के अघोषित नेता के रूप में अपनी जिम्मेदारी को नहीं निभा पाई। लोकसभा चुनाव में आश्चर्यजनक अच्छे नतीजों के बाद तो वह जननायक परिघटना का ऐसे शिकार हुई कि उसे लगा अब राहुल गांधी की लहर चल रही है। इसका असर हरियाणा और महाराष्ट्र में सीट बंटवारे के दौरान उसके हठी रुख में नजर आया। संसद में किस मुद्दे को कितनी तरजीह देनी है, इस पर गठबंधन में आम सहमति बनाने की कोशिश के बजाय खुद मुद्दे तय कर लेने का उसका रुख भी इसी परिघटना से प्रभावित लगा है। राहुल गांधी ने बिना आज की सियासी हकीकतों को समझे जातीय पहचान की राजनीति को जिस तरह अपने एजेंडे में प्रमुखता दी है, उसका उलटा असर चुनावों के साथ-साथ संभवतः अन्य दलों के साथ कांग्रेस के रिश्तों पर भी हुआ है। फिर चुनावी राजनीति में रहते हुए खुद को इसके ऊपर दिखाने की कोशिश कभी कारगर नहीं होती। इसलिए यह अनिवार्य हो गया है कि कांग्रेस वर्तमान सामाजिक एवं राजनीतिक समीकरणों के प्रति बेहतर समझ बनाए और उसके अनुरूप अपना रुख तय करे। वरना, नरेंद्र मोदी विरोधी विपक्षी एकता की जो संभावना बनी थी, वह बिखर जाएगी।

प्रधानमंत्रियों के अंतिम संस्कार और स्मारक के लिए अपनाए गए दोहरे मापदंड पर खुद घिरी कांग्रेस

कमलेश पांडे

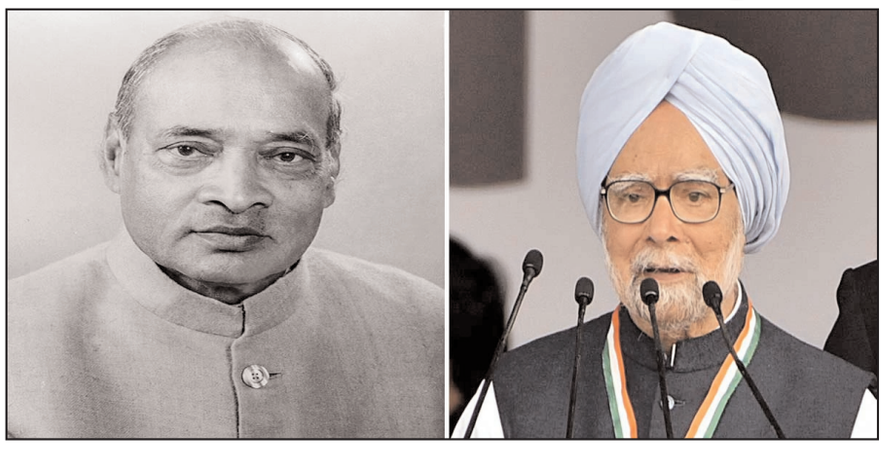

पहले पूर्व प्रधानमंत्री पी वी नरसिम्हाराव और अब पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार और उनके स्मारक को लेकर जो घिनौनी राजनीति 'कांग्रेस परिवार' खासकर नेहरू-गांधी परिवार ने शुरू की है, वह बेहद लज्जाजनक और भारतीय राजनीति पर किसी काले धब्बे की मानिंद है। इससे देश का सत्तापक्ष, विपक्ष और जनमानस सभी शर्मसार हुए हैं।

दरअसल, कांग्रेस व विपक्षी दल के कई नेता चाहते थे कि डॉ. मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार राजघाट के पास किया जाए और वहीं पर उनका समाधि स्थल भी बनवाया जाए। जबकि केंद्र सरकार ने डॉक्टर मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार निगमबोध घाट पर किए जाने का फैसला लिया और बाद में उनका स्मारक बनवाए जाने की बात कही। इसी मसले पर सियासत शुरू हो गई।

वहीं, इस मसले पर अबतक हुए सियासी वार-पलटवार में भाजपा से ज्यादा कांग्रेस घिर चुकी है। क्योंकि अब आईना दिखाया जा रहा है कि प्रधानमंत्रियों के अंतिम संस्कार और स्मारक के लिए खुद कांग्रेस के नेतृत्व वाली मनमोहन सरकार ने ही दोहरे मापदंड अपनाए थे। जबकि वह नाहक ही इस मसले पर भाजपा को घेर रही है ताकि फरवरी 2025 में होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनावों में उसे इसका भावनात्मक लाभ मिल सके।

ऐसे में सवाल यह भी उठ रहे हैं कि क्या नेहरू-गांधी परिवार के इशारे पर भारत सरकार फैसले लेगी या फिर कोई स्वस्थ परम्परा शुरू करेगी। वहीं, इस मसले पर राष्ट्रपति-उपराष्ट्रपति में भी भेद नहीं होना चाहिए, क्योंकि उपराष्ट्रपति राज्यसभा का सभापति भी होता है। बताया गया है कि राजघाट पर स्मारक के लिए राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, उपप्रधानमंत्री और विशिष्ट योगदान देने वाले लोगों की चर्चा तो है, लेकिन उसमें उपराष्ट्रपति का पद शामिल नहीं है। यह हैरतअंगेज है। सवाल है कि पूर्व प्रधानमंत्री पी वी नरसिम्हाराव को मरणोपरांत समुचित पार्टीगत सम्मान व स्मारक हेतु दिल्ली में स्थान नहीं देने का आरोपी 'कांग्रेस परिवार' अब किस मुंह से पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के लिए मरणोपरांत अंत्येष्टि व स्मारक हेतु राजघाट, दिल्ली में स्थान मांग रहा है और इसे नहीं देने का आरोप 'बीजेपी परिवार' पर लगा रहा है, जबकि एनडीए के नेतृत्व वाले मोदी सरकार की ऐसी कोई नकारात्मक मंशा नहीं है। इस बावत हुए सरकारी पत्राचार और बयानबाजियां इस बात की पुष्टि कर रही हैं।

बता दें कि अपने ही पूर्व प्रधानमंत्री पी वी नरसिम्हाराव को मरणोपरांत समुचित पार्टी स्तरीय सम्मान व स्मारक हेतु दिल्ली में स्थान नहीं देने के लिए जो तत्कालीन मनमोहन सरकार दोषी थी, अब उसी पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के निधनोपरांत निगमबोध घाट पर हुई उनकी अंत्येष्टि क्रिया करवाए जाने व उनके स्मारक के लिए राजघाट पर अपेक्षित स्थायी जगह नहीं दिए जाने के आरोप मढ़कर कांग्रेस पार्टी भाजपा नीत राजग गठबंधन की मोदी सरकार को दोषी ठहरा रही है। जबकि ऐसा करने से पहले उसे खुद अपने गिरेबां में झांकना चाहिए।

इस मुद्दे पर पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव के भाई मनोहर राव ने कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि कांग्रेस को 20 वर्ष पीछे मुड़कर देखना चाहिए कि उन्होंने अपने नेता पीवी नरसिंह राव को कितना सम्मान दिया। तब सोनिया गांधी उनके अंतिम संस्कार में शामिल तक नहीं हुई थीं। एक न्यूज एजेंसी से बातचीत में उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने उनके लिए एक भी प्रतिमा का निर्माण नहीं किया या उन्हें भारत रत्न नहीं दिया। हालांकि, आप अपनी औपचारिकताएं पूरी करें, तब बीजेपी निश्चित रूप से डॉ. मनमोहन सिंह के स्मारक के लिए भूमि देगी।

वहीं, सियासी हद तो यह है कि कांग्रेस इसे अल्पसंख्यक पंजाबी समुदाय विरोधी कृत्य बताते हुए डॉ मनमोहन सिंह का अपमान करार दे रही है, जो पूर्णतया सही नहीं है। इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने से पहले उसे अपने गिरेबां में झांककर देखना चाहिए। उसने अपने ही पूर्व प्रधानमंत्री पी वी नरसिंहराव के साथ जो सुलूक किया, वैसा उदाहरण विरले ही मिलता है।

वहीं, हैरत की बात तो यह भी है कि कांग्रेस द्वारा दिल्ली विधानसभा चुनाव को नजदीक देखकर इस पूरे घटनाक्रम से सिखों को भावनात्मक रूप से जोड़ने का प्रयास किया गया और निगम बोध घाट पर डॉ. मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार को सिखों का अपमान बताया गया। जबकि इससे उसे कोई राजनीतिक लाभ नहीं मिलने वाला है, क्योंकि दिल्ली के सरदार 1984 के सिख विरोधी दंगों को नहीं भूले हैं। इसी की भरपाई के लिए उसने डॉ मनमोहन सिंह को पीएम तक बनाया, लेकिन पंजाबी समुदाय के लोकप्रिय नेता के रूप में वो अपनी छवि नहीं गढ़ सके। क्योंकि कांग्रेस आलाकमान ने उन्हें कभी फ्री हैंड नहीं दिया!

आलम यह है कि इस मुद्दे पर कांग्रेस को आप और अकाली दल शिरोमणि के नेताओं का भी साथ मिल गया है, जिनका दिल्ली से लेकर पंजाब की सियासत पर अपना वर्चस्व है। इन दोनों दलों ने भी केंद्र सरकार पर सिखों के अपमान का आरोप लगाया है। हालांकि ऐसा सिर्फ इसलिए कि दिल्ली में लगभग 4 प्रतिशत सिख मतदाता हैं, जिसमें राजौरी गार्डन व तिलक नगर जैसे विधानसभा क्षेत्रों में इनकी आबादी 35 प्रतिशत है, जबकि हरि नगर जैसे विधानसभा क्षेत्र में उनकी संख्या 17 प्रतिशत से अधिक है। वहीं, नई दिल्ली, पूर्वी दिल्ली और चांदनी चौक संसदीय क्षेत्र में आने वाले कई विधानसभा क्षेत्रों में भी पंजाबी समुदाय की अच्छी संख्या है। जानकार बताते हैं कि पहले कांग्रेस व भाजपा-अकाली गठबंधन में सिख मतों का बंटवारा होता था। लेकिन अब भाजपा व अकाली अलग हो गए हैं जिससे उनका विभाजन संभव है। चूंकि, कांग्रेस की पकड़ भी सिख मतों पर कमजोर हुई है। इसलिए आप को इसका फायदा मिल सकता है। पिछले दोनों विधानसभा चुनाव व दिल्ली नगर निगम चुनाव में आप को सिखों का अच्छा समर्थन मिला था, लेकिन लोकसभा चुनाव में सिख बहुल क्षेत्रों में भाजपा ने अच्छा प्रदर्शन किया है। इसलिए इन सभी दलों के सामने सिखों को अपने साथ जोड़ने की चुनौती है। जबकि भाजपा ने कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली सहित दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के कई सदस्यों को अपने साथ जोड़कर सिखों को अपने साथ जोड़ने में लगी हुई है। इससे आप के साथ ही कांग्रेस व अकाली दल परेशान है। तीनों पार्टियों के बीच दिल्ली के साथ ही पंजाब के सिखों को भी अपने साथ जोड़ने की चुनौती है। उल्लेखनीय है कि फरवरी 2025 के पहले सप्ताह में दिल्ली विधानसभा चुनाव है, जिसके चलते भाजपा विरोधी राजनीतिक पार्टियां इसे सिख समुदाय का अपमान बताते हुए इसे मुद्दा बनाने का प्रयास कर रही हैं। वहीं, भाजपा ने भी इनकी सियासी मानसिकता पर पलटवार किया है, जिसे लेकर राजनीति के और अधिक तेज होने की अटकलें लगाई जा रही है। एक तरफ जहां कांग्रेस, आप और अकाली दल शिरोमणि के नेता डॉ. मनमोहन सिंह के निधन के अगले दिन से ही बयानबाजी शुरू कर दी है। वहीं, दूसरी तरफ भाजपा भी मुखर होकर कांग्रेस पर घटिया राजनीति करने के आरोप लगा रही है। दुःख के जिस क्षण में कांग्रेस ने इस मुद्दे को सुलगाया, उससे उसका पीवी नरसिम्हाराव वाला जख्म ही जनमानस में हरा हो गया। इससे भाजपा की मोदी सरकार को भी आईना दिखाने का मौका मिल गया।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सहित कांग्रेस के अन्य बड़े नेता केंद्र सरकार व भाजपा पर सिखों के अपमान का आरोप लगा रहे हैं। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा है कि डॉ. मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार और स्मारक के लिए स्थान न ढूंढना भारत के पहले सिख प्रधानमंत्री का जानबूझकर किया गया अपमान है। वहीं, गत बृहस्पतिवार को कांग्रेस को आइएनडीआइए से बाहर निकलवाने की धमकी देने वाले आप नेता भी भाजपा विरोधी बयानबाजी में पीछे नहीं हैं। आप सांसद संजय सिंह ने शुक्रवार को प्रेसवार्ता कर मनमोहन सिंह भारत रत्न देने की मांग की। वहीं, निगम बोध घाट पर उनके अंतिम संस्कार के निर्णय को अरविंद केजरीवाल सहित अन्य आप नेता सिख समुदाय का अपमान बता रहे हैं। अकाली नेता भी इसे सिखों का अपमान बता रहे हैं। वहीं, शिरोमणि अकाली दल के उपप्रधान और मुख्य प्रवक्ता डॉ. दलजीत सिंह चीमा ने कहा है कि प्रधानमंत्री का पद संभालने वाले पहले और एकमात्र सिख के रूप में मनमोहन सिंह की विरासत का बहुत महत्व है।

अब उनके समाधि स्थल को लेकर चल रही सियासत के बीच सवाल यह है कि आखिर देश में दिवंगत प्रधानमंत्रियों के स्मारक बनाने की प्रक्रिया क्या है? भले ही देश के कई पूर्व प्रधानमंत्रियों की समाधि दिल्ली में बनाई गई है, लेकिन कुछ प्रधानमंत्रियों को इसके लिए दिल्ली में जगह नहीं मिली थी। इसके लिए भी कांग्रेस सरकार ही दोषी थी। उल्लेखनीय है कि समाधि स्थल के निर्माण के लिए केंद्र सरकार की स्वीकृति आवश्यक होती है। सरकार यह निर्णय लेती है कि किसी दिवंगत नेता को राजघाट परिसर में समाधि स्थल बनाया जाएगा या नहीं। दरअसल, दिल्ली के राजघाट परिसर और उसके आसपास ही समाधि स्थल बनाए जाते हैं, क्योंकि यह जगह राष्ट्रीय स्मारक स्थल के रूप में स्थापित है। हालांकि राजघाट में स्थान सीमित होने के कारण, समाधि स्थलों का आवंटन बहुत ही चयनित और महत्वपूर्ण व्यक्तियों के लिए किया जाता है। इस नजरिए से निगम बोध घाट पर शुरू हुई पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के अंत्येष्टि की परम्परा एक नई और स्वस्थ शुरुआत समझा जा सकता है। इससे भविष्य में अब ऐसे विवाद की गुंजाइश भी कम रहेगी, क्योंकि मोदी सरकार ने एक जनप्रिय रास्ता दिखा दिया है।

जहां तक समाधि/स्मारक बनाने के लिए नियम और प्रक्रिया का सवाल है तो आपके लिए यह जानना जरूरी है कि समाधि स्थल केवल उन नेताओं के लिए बनाए जाते हैं, जिन्होंने राष्ट्रीय और ऐतिहासिक महत्व का योगदान दिया हो। यह विशेष रूप से भारत के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, उप-प्रधानमंत्री और कभी-कभी राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण व्यक्तित्वों के लिए लागू होता है। इसमें उपराष्ट्रपति का नाम भी शामिल किया जाना चाहिए। सामान्यतः, केवल उन नेताओं को यह सम्मान मिलता है जिनका योगदान असाधारण और सर्वमान्य हो। मेरे विचार में इसी स्थल पर आजादी के आंदोलन के दौरान शहीद हुए सभी स्वतंत्रता सेनानियों के स्मृति स्थल भी विकसित किया जाना चाहिए, ताकि जब भी कोई नेता यहां आए तो उन बिरबांकूड़ों को भी स्मरण कर लें, जिनकी कुर्बानियों से यह देश आजाद हुआ है।

उल्लेखनीय है कि राजघाट और उससे जुड़े समाधि स्थलों का प्रशासन राजघाट क्षेत्र समिति के तहत आता है। यह समिति संस्कृति मंत्रालय की देखरेख में कार्य करती है। समाधि स्थल के लिए निर्णय लेने में यह समिति स्थान की उपलब्धता, व्यक्ति के योगदान और मौजूदा नीतियों का मूल्यांकन करती है। संस्कृति मंत्रालय समाधि स्थल निर्माण के प्रस्ताव की समीक्षा करता है। प्रस्ताव पर चर्चा के लिए अन्य विभागों, जैसे शहरी विकास मंत्रालय और गृह मंत्रालय, से परामर्श किया जाता है।

राजघाट समाधि समिति, राजघाट समाधि अधिनियम 1951 तथा राजघाट समाधि (संशोधित) अधिनियम 1958 नामक संसदीय अधिनियम द्वारा गठित एक ऑटोनॉमस बॉडी है। राजघाट समाधि समिति का काम समाधि के कार्यों को संचालन करना और समाधि की उचित मरम्मत की व्यवस्था करना है। समाधि में समय-समय पर समारोह का आयोजन करना और उनका संचालन करना है। इसके आलावा, अन्य कार्यों को करना जो समाधि के कार्यों के कुशल संचालन के लिए प्रासंगिक और सहायक हैं। सर्वाधिक उल्लेखनीय बात यह है कि खुद डॉ मनमोहन सिंह की सरकार ने ही वर्ष 2013 में राजघाट परिसर में समाधि स्थल बनाने की नीति में बदलाव किया था। तब यह सुनिश्चित किया गया था कि समाधि स्थलों का निर्माण केवल अत्यंत विशिष्ट और राष्ट्रीय योगदान देने वाले नेताओं के लिए ही किया जाए। इसके पीछे उद्देश्य भूमि का संतुलित उपयोग और पर्यावरण संरक्षण को बताया गया था। जबकि यमुना नदी के किनारे बहुत से ऐसे जगह हैं, जिन्हें वैकल्पिक स्मारक स्थल के रूप में विकसित किया जा सकता है। खासकर दिल्ली के उपराज्यपाल, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री आदि के निधनोपरांत उनके भी स्मारक स्थल बनवाए जा सकें।

अंडे अहिंसक व शाकाहारी कैसे ?

रजनीश कपूर

विज्ञापन जगत ने आम जनता के मन में एक बात बिठा दी है कि अंडे शाकाहारी नहीं हैं। अंडे का उपयोग बढ़ाने के लिए इसे प्रोटीन का बढिया स्रेत बताया जाता है। प्रोटीन की मात्रा बहुत सारी शाकाहारी चीजों में भी काफी ज्यादा है पर इस विवाद में नहीं भी पड़ा जाए तो यह तथ्यात्मक रूप से गलत है कि अंडा शाकाहारी है। इसलिए शाकाहारियों के लिए अंडे को लोकप्रिय बनाने के लिए किए जाने वाले प्रचार का उल्टा नारा लगाया जा सकता है - %संडे हो या मंडे, कभी न खाओ अंडे'। कोई क्या खाए और क्या नहीं इसमें बहुत कुछ आदमी की अपनी पसंद और जीवनशैली के साथ-साथ कई अन्य बातों पर निर्भर करता है। फिर भी आप जो चीज खाते हैं या किसी कारण से नहीं खाते हैं उसके बारे में आपको आवश्यक जानकारी अवश्य होनी चाहिए। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 100 ग्राम अंडों में जहां 13 ग्राम प्रोटीन होगा, वहीं पनीर में 24 ग्राम, मूंगफली में 31 ग्राम, दूध से बने कई पदाथरे में तो इससे भी अधिक एवं सोयाबीन में 53 ग्राम प्रोटीन होता है। यही तथ्य कैलोरी के बारे में है। जहां 100 ग्राम अंडों में 173 कैलोरी, मछली में 93 कैलोरी व मुर्गे के गोश्त में 194 कैलोरी प्राप्त होती है, वहीं गेहूं व दालों में 300 कैलोरी, सोयाबीन में 350 कैलोरी व मूंगफली में 550 कैलोरी और मक्खन निकले दूध एवं पनीर से लगभग 350 कैलोरी प्राप्त होती है तो हम यह निर्णय ले सकते हैं कि स्वास्थ्य के लिए क्या चीज जरूरी है? यह स्पष्ट करना भी उचित रहेगा कि अधिक कोलेस्ट्रोल शरीर के लिए लाभदायक नहीं है। 100 ग्राम अंडों में कोलेस्ट्रोल की मात्रा 500 मिलीग्राम है और मुर्गी के गोश्त में 60 है तो वही कोलेस्ट्रोल सभी प्रकार के अन्न, फलों, सब्जियों आदि में शून्य है। अमेरीका के विविख्यात विशेषज्ञ डॉ. माइकेल कलेपर का कहना है कि अंडे का पीला भाग विश्व में कोलेस्ट्रोल एवं जमी चिकनाई का सबसे बड़ा स्रेत है जो स्वास्थ्य के लिए घातक है। उन्होंने यह भी साबित किया है कि जो व्यक्ति मांस या अंडे खाते हैं उनके शरीर में %रिस्पटरों' की संख्या में कमी हो जाती है जिससे रक्त के अन्दर कोलेस्ट्रोल की मात्रा अधिक हो जाती है। इससे हृदय रोग शुरू हो जाता है और गुर्दे के रोग एवं पथरी जैसी बीमारियों को भी बढ़ावा मिलता है। वास्तविकता यह है कि 1962 में यूनीसेफ ने एक पुस्तक प्रकाशित की तथा अंडों को लोकप्रिय बनाने के लिए अनिषेचित (इनफर्टाइल) अंडों को शाकाहारी अंडे (वेजीटेरियन) जैसा मिथ्या नाम देकर भारत के शाकाहारी समाज में भ्रम फैला दिया। 1971 में मिशिगन यूनीवर्सटी (अमेरिका) के वैज्ञानिक डॉ. फिलिप जे. स्केन्ट ने यह सिद्ध किया कि अनिषेचित अंडे किसी भी प्रकार से शाकाहारी नहीं होते क्योंकि वे न तो पेड़ों पर उगते हैं और न किसी पौधे पर बल्कि वे सब मुर्गी के पेट में से ही उत्पन्न होते हैं। एक वैज्ञानिक प्रयोग के आधार पर यह देखा गया है कि विद्युत धारा के द्वारा अंडों को आंका जा सकता है। अनिषेचित अंडे में निषेचित अंडे की भांति ही यह विद्युत धारा होती है। यह वैज्ञानिक तथ्य है कि निर्जीव वस्तु में कभी भी विद्युत धारा का अंकन नहीं किया जा सकता। विज्ञान ने यह साबित कर दिया है कि किसी भी प्राणी के जीवन का आधार मात्र लैंगिक प्रजनन क्रिया ही नहीं है बल्कि अलैंगिक प्रजनन के द्वारा भी जीवन हो सकता है जैसे अमीबा और अनेक एककोशीय प्राणी बिना निषेचन क्रिया के उत्पन्न होते रहते हैं। इसी प्रकार से %टेस्ट ट्यूब बेबी' या उसके द्वारा उत्पन्न प्राणी निर्जीव नहीं गिने जा सकते। सच्चाई यह है कि अंडे दो प्रकार के होते हैं एक वे जिनसे बच्चे निकल सकते हैं तथा दूसरे वे जिनसे बच्चे नहीं निकलते। मुर्गी यदि मुर्गे के संसर्ग में न आए तो भी जवानी में अंडे दे सकती है। इन अंडों की तुलना स्त्री के रजस्त्राव से की जा सकती है। जिस प्रकार स्त्री के मासिक धर्म होता है। उसी तरह मुर्गी के भी यह धर्म अंडों के रूप में होता है। यह अंडा मुर्गी की आंतरिक गंदगी का परिणाम है। मुर्गियां जो अंडे देती हैं वे सब अपनी स्वेच्छा से या स्वभावतया नहीं देतीं! बल्कि उन्हें विशिष्ट हार्मोन्स और एग-फर्मयुलेशन के इंजेक्शन दिए जाते हैं।

नेहरू को छोटा करने की नहीं, उनके काम से होड़ करने की जरूरत

भूपेन्द्र गुप्ता

देश में आज विकास को लेकर नए-नए नरेटिव गढने के अलावा इतिहास के पन्नों को कलंकित करने का चलन चल पड़ा है ।संगठित रूप से आजादी के बाद की सरकारों के कामकाज और योगदान को नीचा दिखाने की आक्रामक कोशिशें हो रही हैं। नई पीढ़ी में शोध के अभाव को देखकर उसे बरगलाने की चेष्टा की जा रही है ।देश को उसके सही स्वरूप में पहचान कर देश के विकास की यात्रा की समझ और विकास की कल्पना को चोट पहुंचाई जा रही है ।जिससे वास्तविक इतिहास को जानने से ही रोका जा सके । देश के नेताओं को सुविधानुसार मिस कोट किया जा रहा है।

मध्य प्रदेश में केन -बेतवा नदी जोड़ो परियोजना के दौरान ऐसी ही बातें रखी गई जिससे महसूस हो कि जवाहरलाल नेहरू के समय से ही विकास की योजनाओं की उपेक्षा की गई । यहां तक कहा गया कि देश में बड़े-बड़े बांध बनाने और जल संरक्षण को समझने का काम देश में अन्य लोगों ने किया है ।जल संसाधनों के संदर्भ में प्रधानमंत्री जी ने घुमाकर यह भी बताया कि जलशक्ति को मजबूत करने के दूसरे नेताओं के प्रयासों को जवाहरलाल नेहरू के नाम पर चिपका दिया गया ।क्या इस तरह का नेरेटिव बनाया जाना उचित है ।क्या यह सत्य है या महज नेहरू जी को नीचा दिखाने और संसद में बाबासाहब का उपहास करने से पैदा हुए संकट से निकलने के लिये भाजपा की रणनीति है।

इसे समझने के लिए बेहतर होगा कि हम देश में जल संरचनाओं के इतिहास को जानें और समझें। सभी जानते हैं कि डॉ बाबासाहेब अंबेडकर की मृत्यु 1956 में हो गई थी और वह नेहरू जी के मंत्रिमंडल में कानून मंत्री थे उनकी पूरी शक्ति संविधान की ड्राफ्टिंग, संविधान सभा के सभी सदस्यों के योगदान का संकलन कर संविधान को उसका स्वरूप देना था। न कि बांध बनवाना। तब भाजपा 2024 में बनने वाले दुहान बांध के बहाने युग पुरुषों को लड़वाने का नया काम क्यों शुरू कर रही है।

भारत में नदियों को बांधने का इतिहास बहुत पुराना है ।देश का सबसे पुराना बांध तमिलनाडु की कावेरी नदी पर बनाया गया था ।जिसे कल्लणै बांध कहते हैं ।इसे 150 ईश्वी से 100 ईश्वी के बीच में चोल राजा करिकल ने बनवाया था। इसका अर्थ है कि नदियों को बांधने और जल संरचनाओं को बचाने तथा संरक्षित करने के लिए भारत में बांध बनाने की तकनीकी और संकल्प शक्ति हजारों साल पहले ही आ चुकी थी ।

आजादी के पहले भी मैसूर के राजा कृष्णा वाडियार ने कृष्ण राजा सागर बांध का 1911 में निर्माण शुरू किया था जिसे 1932 में मैसूर की जनता को समर्पित किया गया। इसके बाद ही आजादी के बाद बने बांधों का सिलसिला शुरू होता है ।आजादी के प्रथम वर्ष में भारत का कुल बजट मात्र 184 करोड़ रुपए था और पूरे देश में भुखमरी की स्थिति थी ।1943 में ही बंगाल के दुर्भिक्ष में 30 लाख लोग भूख से अपनी जान गँवा चुके थे। भुखमरी के इन हालातों में देश को आजादी मिली थी ।

यह स्पष्ट था कि खाद्यान्नों का उत्पादन बढ़ाये बिना हम अपने लोगों का पेट नहीं भर सकते। उसके लिए सिंचाई चाहिए, नदियों पर बांध चाहिए किंतु हमारे पास धन भी नहीं था। ऐसे हालातों में भी 1947 में ही जवाहरलाल नेहरू ने उड़ीसा की महानदी पर हीराकुंड बांध की शुरुआत की, जिसे 1957 में देश को समर्पित किया गया ।इस बांध से 47 लाख एकड़ फीट जल संग्रहण और 347 मेगावाट बिजली का उत्पादन हुआ ।इसके तत्काल बाद 1948 में पंडित जवाहरलाल नेहरू ने तमिलनाडु में भवानी सागर बांध का शिलान्यास किया जो 1955 में पूरा हुआ। यह एक अर्दन डेम था जिसके माध्यम से 16 मेगावाट बिजली भी पैदा की जानी थी ।इसी तरह पंजाब में सतलज नदी पर 1948 में ही भाखड़ा नंगल बांध की नींव डाली गई ।यह उस समय तक का सबसे बड़ा बांध था जिसमें 75 लाख एकड़ फीट जल संग्रहण होना था और 1325 मेगावाट बिजली का उत्पादन होना था ।जब 1963 में यह बांध देश को समर्पित किया गया तो इसके माध्यम से हरित क्रांति का आगाज हुआ ।मैक्सिकन लाल गेहूं पर निर्भर भारत की जनता देशी खाद्यान्न की आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ी।

कर्नाटक की तुंगभद्र नदी पर 1949 में कंपोजिट स्पिल वे डेम का शिलान्यास जवाहरलाल नेहरू ने किया जो 1953 में पूर्ण हुआ ।इससे 127 मेगावाट बिजली का निर्माण होता था ।

उत्तरप्रदेश में 1953 में रिहंद बांध की शुरुआत की गई जो 1962 में देश को समर्पित किया गया इससे 300 मेगावाट बिजली का निर्माण शुरू हुआ ।तेलंगाना में 1955 में कृष्णा नदी पर नागार्जुन सागर बांध की शुरुआत हुई जिसे 1967 में देश को समर्पित किया गया इस बांध से न केवल 93.72 लाख एकड़ फुट पानी सिंचाई के लिए मिला बल्कि 816 मेगावाट बिजली का भी उत्पादन हुआ ।

इसी तरह महाराष्ट्र की कोयना नदी पर 1956 में जवाहरलाल नेहरू ने कोयना बांध की शुरुआत की जिसे 1964 में देश को समर्पित किया गया। इस बांध से 24 लाख एकड़ फीट जल संग्रहण और 1960 मेगावाट बिजली का उत्पादन हुआ। आज के झारखंड में 1957 में मैथोन बांध की शुरुआत की गई यह बांध 60 हजार किलोवाट बिजली का उत्पादन भी करता है ।मध्य प्रदेश की नर्मदा नदी पर 1956 में ही तवा बांध जो एक स्पिलवे बांध है, का निर्माण शुरू हुआ जो 1974 में देश को समर्पित किया गया ।आज देश में जिस सरदार सरोवर बांध की बार-बार चर्चा होती है उस सरदार सरोवर बांध की आधारशिला भी जवाहरलाल नेहरू ने 1961 में सरदार वल्लभ भाई पटेल के नाम पर रख दी थी जिसके माध्यम से आज मध्य प्रदेश महाराष्ट्र को बिजली और गुजरात को पानी मिल रहा है। तीनों प्रदेश इससे बनने वाली बिजली से रोशन हो रहे हैं।

प्रथम प्रधानमंत्री मंत्री जवाहरलाल नेहरू ने दो-दो युद्धों का सामना करने के बावजूद अपने 17 साल के कार्यकाल में उड़ीसा की महानदी,तमिलनाडु की भवानी,कर्नाटक की तुंगभद्रा,उत्तरप्रदेश की रिहन्द,पंजाब की सतलज,मध्यप्रदेश की नर्मदा,महाराष्ट्र की कोयना,झारखंड की बारकार,तेलंगाना की कृष्णा नदियों को बांध दिया था ।वे एक मिशनरी की तरह जुनूनी की तरह इस काम में लगे क्या यह आसान काम था ?नौ राज्यों की नौ नदियों को बांधकर 17 साल में देश को समर्पित करना भगीरथी कल्प था ।नेहरू ने यह काम तब कर दिखाया जब न पोकलेन थी न जेसीबी थी न इतनी उन्नत तकनीकि थी नेहरू के पुरुषार्थ को छोटा करने का कोई भी प्रयत्न देश के पुरुषार्थ को छोटा करने का प्रयत्न है ।आज नेहरू को छोटा करने की नहीं उनके काम से होड़ करने की जरूरत है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं)

बेहद विशाल और रंगीन है

अयोध्या का दशरथ महल

अयोध्या को श्री राम की नगरी कहा जाता है। अयोध्या में राम मंदिर के अलावा कई फेमस मंदिर, घाट और महल मौजूद हैं। जिनके बारे में आपको कई रोचक बातें जानने के लिए मिल सकती हैं। अयोध्या में मौजूद ऐसे ही एक महल का नाम है दशरथ महल। आइए जानते हैं क्या है अयोध्या में मौजूद दशरथ महल का इतिहास और खासियत।

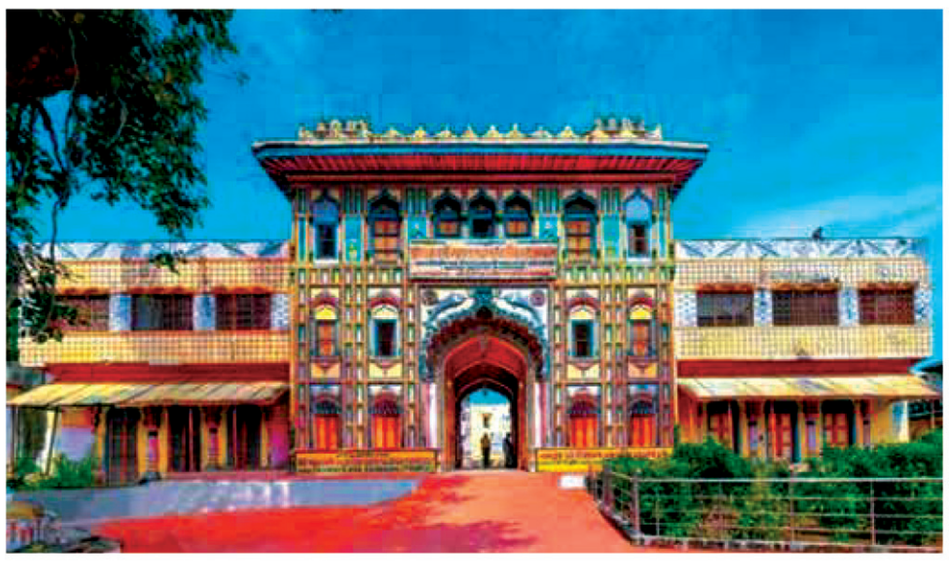

दशरथ महल का इतिहास

अयोध्या का दशरथ महल एक प्रसिद्ध सिद्ध पीठ है। जहां देखने के लिए कई चीजें मौजूद हैं। बता दें, दशरथ महल हनुमान गढ़ी से मात्र 100 मीटर की दूरी पर स्थित है। मान्यताओं के अनुसार राजा दशरथ ने त्रेता युग में इस महल की स्थापना की थी। इस पौराणिक महल का कालांतर में कई बार जीर्णोद्धार भी किया गया। दशरथ महल को बड़ा स्थान या बड़ी जगह के नाम से भी जाना जाता है। वर्तमान समय में दशरथ महल अब एक पवित्र मंदिर के रूप में बदल चुका है। जहां भगवान राम, माता सीता, लक्ष्मण, शत्रुघ्न और भरत की प्रतिमाएं स्थापित हैं। मान्यता है कि चक्रवर्ती राजा दशरथ अपने रिश्तेदारों के साथ यहां रहते थे।

दशरथ महल में क्या है खास

माना जाता है कि दशरथ महल को ठीक उसी जगह बनाया गया है,जहां राजा दशरथ का असली निवास हुआ करता था। इस भवन के मंदिर में श्री राम,लक्ष्मण और सीता की मूर्तियां लगी हुई हैं। इस मंदिर का प्रवेश द्वार बहुत बड़ा और रंगीन है। इस परिसर में काफी संख्या में जमा होकर श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते रहते हैं। दशरथ महल में राम विवाह, दीपावली, श्रावण मेला, चैत्र रामनवमी और कार्तिक मेला बेहद उत्साह के साथ मनाया जाता है। कहा जाता है कि इस महल में चक्रवर्ती महाराजा दशरथ अपने रिश्तेदारों के साथ रहते थे।

कब होती है आरती

दशरथ महल में सुबह 6:00 से 7:00 के बीच और रात्रि 9 से 10 के बीच में आरती होती है।

कब तक खुला रहता है दशरथ महल

अयोध्या के बीचों-बीच स्थित दशरथ महल दर्शनार्थियों के लिए सुबह 8:00 बजे से लेकर 12:00 बजे तक और शाम 4:00 बजे से लेकर रात्रि 10:00 बजे तक मंदिर खुला रहता है।

मन्नत पूरी होने पर जरूर करना चाहिए ये काम

अक्सर आपने देखा होगा कि व्यक्ति जब भी परेशानी में होता है, तो भगवान को याद करता है। इतना ही नहीं सुख में भी ईश्वर की स्मृति करता है। वहीं लोगों के मन में कई प्रकार की इच्छा होती है। जिसे पूरी करने के लिए वह भगवान से मन्नत मांगता है। कई बार ऐसा होता है कि मन्नत पूरी हो जाने के बाद व्यक्ति कार्य को पूरा करना भूल जाता है या सोचकर आगे के लिए टाल देता देते हैं कि आराम से पूरी कर लेंगे। वहीं मन्नत पूरी हो जाने के कई साल बीत जाते हैं, लेकिन बोला हुआ कार्य पूरा नहीं करते हैं। अब ऐसे में मन्नत पूरी हो जाने के बाद कौन से ऐसे काम हैं, जिन्हें करना जरूरी होता है।

ब्राह्मणों को कराएं भोज

ऐसी मान्यता है कि मन्नत पूरी हो जाने के बाद ब्राह्मणों को भोज जरूर कराना चाहिए। बिना भोज के मन्नत अधूरी मानी जाती है और व्यक्ति को अशुभ फलों की प्राप्ति होती है। इसलिए मन्नत पूरी हो जाए, तो अगले दिन सुबह ब्राह्मण भोज कराना उत्तम माना जाता है।

कन्या को कराएं भोजन

मन्नत पूरी हो जाने के बाद 9 कन्याओं को भोजन कराएं। इससे माता लक्ष्मी (मां लक्ष्मी मंत्र) बेहद प्रसन्न होती हैं और उनकी कृपा बनी रहती है।

भजन-कीर्तन करें

मन्नत पूरी हो जाने के बाद भजन-कीर्तन जरूर करना चाहिए और भगवान को मन्नत पूरी करने के लिए धन्यवाद जरूर बोलें। इससे आपको शक्ति मिलेगी और सुख-शांति की प्राप्ति होगी।

नारियल फोड़ना

मन्नत पूरी हो जाने के नारियल फोड़े और सभी को बांटें। आपको लाभ हो सकता है और भगवान भी बेहद प्रसन्न होते हैं।

बच्चों का सोने और जागने का रूटीन

पैदा होने से लेकर एक साल का होने तक बच्चों का सोने और जागने का रूटीन काफी अलग होता है। वो रात में कभी भी जाग जाते हैं और फिर सो जाते हैं। लेकिन बच्चा जब सालभर से बड़ा होने लगे तो भी रात को जागता रहे या आधी रात को उठकर खेलने लगे तो जरूरी है कि उसकी गहरी नींद का इंतजाम किया जाए। जिससे उसे सोते समय डिस्टर्बेंस ना हो और वो आराम से रात की पूरी नींद ले सके। इससे मां को भी आराम मिलेगा और बच्चे भी दिन में चिड़चिड़े नहीं होंगे।

रात की गहरी नींद है जरूरी

रात को सोना जरूरी होता है। केवल मां के लिए ही नहीं बल्कि बच्चे को भी। इसलिए सालभर के बाद ही बच्चे की रात में पूरी नींद लेने की आदत डलवाएं। इससे सुबह बच्चा फ्रेश मूड में उठेगा और रोने या परेशान करने की बजाय खेलेगा। बच्चे को रात में गहरी नींद आए इसके लिए इन बातों को फॉलो करना जरूरी होता है।

सोते वक्त न कहे खाने के लिए

बच्चे अक्सर दिन के वक्त खेलने में व्यस्त रहते हैं और खाना कम खाते हैं। जब सोने का टाइम होता है तो वो खाने के लिए मांगते। या कई बार मांए उन्हें सोने के वक्त खिलाने लगती हैं। ऐसा करने से बच्चे का डाइजेशन सिस्टम एक्टिव रहेगा और बच्चे को नींद नहीं आएगी या फिर वो ठीक से सो नहीं पाएगा। बच्चे को सोने के करीब दो घंटा पहले ही खाने के लिए न दें। बल्कि इसकी बजाय गुनगुना दूध पीने को दें। इससे बच्चे को नींद आने में मदद मिलेगी और वो आराम से सोएगा।

दिनभर पिलाएं पानी

बच्चे को कोशिश करें कि दिनभर पानी पिलाते रहें। जिससे कि वो हाईड्रेटेड रहे। इससे रात को पानी पीने की कम जरूरत पड़ेगी। रात को बच्चा अगर ज्यादा पानी पीएगा तो बार-बार पेशाब लगेगी और उसकी नींद डिस्टर्ब होगी।

बिस्तर पर लिटाने से पहले जरूर पेशाब करवाएं

बच्चे को बिस्तर पर लिटाने से पहले बाथरूम में पेशाब करवाने की आदत लगाएं। इससे सोने के बाद बच्चे को यूरिन लगने की वजह से नींद डिस्टर्ब नहीं होगी और वो गहरी नींद में सोएगा।

रात को करें रिलैक्स

रात को सोने से पहले बच्चे के शरीर और दिमाग को रिलैक्स करना जरूरी होता है। इसलिए 2-3 साल के बच्चे की भी मालिश जरूरी है। उसके हाथ-पैर की अच्छे से मालिश करें। जिससे बच्चे को रिलैक्स महसूस हो और वो गहरी नींद में सो जाए।

बच्चे का बिस्तर रखें कंफर्टेबल

बच्चे के बिस्तर को कंफर्टेबल रखें। जहां मद्धिम लाइट हो और साथ में तापमान मौसम के हिसाब से बैलेंस हो। सर्दी में गर्म और गर्मी में थोड़ा सा ठंडा। जिससे बच्चे को ना गर्मी लगे और ना ही सर्दी। साथ ही बिस्तर साफ हो और बच्चे के कपड़े कंफर्टेबल हों। जिससे कि उसकी नींद में डिस्टर्बेंस ना हो। इससे बच्चे को गहरी नींद आएगी और वो बार-बार जागकर रात में डिस्टर्ब नहीं करेगा।

आउटडोर एक्टीविटी है जरूरी

बच्चे को दिनभर घर में खिलाने की बजाय कुछ घंटों के लिए बाहर पार्क में ले जाएं। आउटडोर एक्टीविटी करवाएं। इससे बच्चे फिजिकली एक्टिव होंगे और रात को गहरी नींद में सोएंगे।

जिम जानें की सही उम्र

आज के युग में लाइफस्टाइल बहुत तेजी से बदल रही है। युवा पीढ़ी में खासकर फिट और अच्छी बॉडी पाने का क्रेज दिखाई दे रहा है। लड़के जिम में जाकर बॉडीबिल्डिंग बनाने में लगे रहते हैं। वहीं लड़कियां भी जीरो फिगर और स्लिम बॉडी पाने के लिए भारी वर्कआउट करती हैं। ऐसे में बॉडी बनाने के चक्कर में बहुत जल्दी जिम जाना शुरू कर देते हैं, जोकि एक गलती हो सकती है। एक्सपर्ट के अनुसार कम उम्र में जिम शुरू करना हेल्थ के लिए काफी नुकसानदायक है। आइए जानते हैं कैसे ?

जानें कम उम्र जिम क्यों नहीं करनी चाहिए

शरीर का विकास और मजबूती पाने के लिए व्यायाम और एक्सरसाइज बहुत जरूरी हैं, लेकिन एक्सपर्ट का कहना है कि 15-17 साल की उम्र यानी किशोरावस्था में बहुत भारी-भरकम वर्कआउट नहीं करना चाहिए। इस उम्र में शरीर और मांसपेशियों का विकास अभी पूरा नहीं हुआ होता है। इसलिए भारी वजनों से वर्कआउट कराने पर मांसपेशियों और हड्डियों को नुकसान पहुंच सकता है। 18-20 साल की उम्र के बाद ही तेज वर्कआउट करने की सलाह दी जाती है।

जिम नहीं खेल-कूद पर दें ध्यान

बचपन में शरीर का विकास होता है और हड्डियां मजबूत होती हैं। इस समय बच्चों को प्राकृतिक रूप से खेलना-कूदना चाहिए। घर के बाहर दोस्तों के साथ क्रिकेट, फुटबॉल जैसे खेल खेलें। पार्क में दौड़ें, कूदें, चढ़ाई करें। ये सब शारीरिक गतिविधियां युवाओं के लिए बेहद लाभदायक होती हैं, लेकिन 14-15 साल की उम्र में बच्चों को जिम भेजना सही नहीं है। जिम की भारी एक्सरसाइज से बच्चों की मांसपेशियों में चोट लग सकती है। जोकि विकास के लिए सही नहीं है। कम उम्र में लड़का हो या लड़की सभी के लिए सबसे अच्छा व्यायाम है - योग और साइकिल चलाना। योग से शरीर की लचीलापन बढ़ती है और मानसिक तनाव कम होता है। साइकिलिंग से मांसपेशियां मजबूत होंगी और कार्डियोवैस्कुलर फिटनेस बढ़ेगी। तैराकी भी एक बहुत ही अच्छा विकल्प है।

किस उम्र में जिम ज्वाइंन कर सकते हैं?

एक्सपर्ट की सलाह है कि कम से कम 18-20 साल की उम्र तक इंतजार करें। क्योंकि इस उम्र तक शरीर का विकास पूरा हो चुका होता है। इससे पहले गंभीर वर्कआउट करने पर मांसपेशियों और हड्डियों को नुकसान पहुंच सकता है। 18 की उम्र के बाद जिम ज्वाइन करके फिटनेस लेवल बढ़ाया जा सकता है।

जेनरिक आधार भारत में स्वास्थ्य देखभाल की पहुंच को बदलने के लिए समर्पित

जेनरिक आधार के संस्थापक और सीईओ अर्जुन देशपांडे ने कहा,"श्री रतन टाटा के अंतिम सपने को साकार करना और उनकी प्रेरणा से दिए गए वादे का सम्मान करना, जेनरिक आधार भारत में स्वास्थ्य देखभाल की पहुंच को बदलने के लिए समर्पित है। उनके मार्गदर्शन में काम करना मेरे जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है। उनके 87वें जन्मदिन पर 87 मरीजों को मुफ्त कैंसर की दवाएं वितरित करना, उनके दृष्टिकोण को श्रद्धांजलि देने और सभी के लिए सस्ती स्वास्थ्य देखभाल की हमारी प्रतिबद्धता को फिर से स्थापित करने का हमारा तरीका है। श्री रतन टाटा के 87वें जन्मदिन पर, 22 वर्षीय प्रतिभाशाली अर्जुन देशपांडे, जो जेनरिक आधार के संस्थापक और सीईओ हैं, ने इस विशेष अवसर को 87 मरीजों को मुफ्त कैंसर की दवाएं वितरित करके मनाया। यह पहल श्री रतन टाटा की अंतिम इच्छा को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसमें उन्होंने सभी लोगों के लिए, उनकी आर्थिक स्थिति के बावजूद, कैंसर की दवाओं को सस्ती और सुलभ बनाने का सपना देखा था। श्री रतन टाटा का मानना था कि कैंसर की दवाएं केवल अमीरों के लिए विलासिता की चीज नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह एक बुनियादी आवश्यकता होनी चाहिए, जो समाज के हर वर्ग के लिए उपलब्ध हो। इस दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए, अर्जुन देशपांडे ने इसे वास्तविकता में बदलने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता साझा की।" यह उत्सव हर जरूरतमंद व्यक्ति तक सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य देखभाल पहुंचाने के प्रयासों में एक बड़ा पड़ाव है। जरूरतमंदों को मुफ्त में जीवनरक्षक दवाएं प्रदान करके, अर्जुन देशपांडे ने न केवल श्री रतन टाटा को श्रद्धांजलि दी है, बल्कि यह भी साबित किया है कि व्यापार एक सकारात्मक बदलाव का माध्यम हो सकता है।

फेसक्रीम लगाते समय न करें ये गलती

समय के साथ चेहरे की स्किन का ढीला होना, उस पर झुर्रियां पड़ना आम बात है, लेकिन अगर ये समस्या 35 के बाद ही दिखने लगी है तो उम्मीद है कि आप अपने फेस की ठीक तरीके से देखभाल नहीं कर रहे। कई बार तो महंगे प्रोडक्ट अप्लाई करने के बाद भी मनचाहा रिजल्ट नहीं निकलता। जिसका कारण प्रोडक्ट को फेस पर अप्लाई करते वक्त हाथों का गलत मूवमेंट होता है। अगर आप किसी भी फेस क्रीम या मॉइश्चराइजर को लगाते समय इन गलतियों को दोहराते हैं, तो आदत बदलने की जरूरत है। जानें फेस क्रीम अप्लाई करने का सही तरीका, जिससे चेहरे की स्किन पर ढीलापन ना दिखे।

क्रीम को हाथों पर ना रगड़ें

जब भी मॉइश्चराइजर या क्रीम को चेहरे पर लगाना हो,तो उसे हथेलियों पर लेकर ना रगड़ें। इससे काफी सारा क्रीम बर्बाद हो जाता है और वो हथेलियों पर ही अब्जॉर्ब हो जाता है।

चेहरे को ना रगड़ें

फेस क्रीम या मॉइश्चराइजर लगाते वक्त क्रीम को चेहरे पर बहुत तेजी से ना रगड़ें। बल्कि हल्के हाथों से थपथपाकर लगाएं। इससे क्रीम या मॉइश्चाराइजर स्किन के अंदर ज्यादा अच्छी तरीके से अब्जॉर्ब होता है और स्किन पर जोर नहीं पड़ता।

नीचे की तरफ ना चलाएं हाथों का मूवमेंट

एक बार मॉइश्चराइजर से स्किन को मॉइश्चराइज करने के बाद हाथों की मदद से फेस की मसाज करें। मसाज करने के लिए हमेशा चेहरे की ऊपर की तरफ उंगलियों को फेरें। इससे स्किन में ढीलापन नहीं आता और स्किन नहीं लटकती।

अंदर की तरफ रखें हाथों का मूवमेंट

स्किन पर मसाज करने के लिए उंगलियों को ऊपर और अंदर की तरफ यानी नाक के पास से उंगलियों को फिराते हुए कानों तक ले जाएं। इससे स्किन में ढीलापन नहीं नजर आता है। साथ ही आईब्रो के पास उंगलियों को ऊपर की तरफ ले जाएं। इससे पफी आईज की समस्या पैदा नहीं होने पाती।

संक्षिप्त समाचार

नए CMO से नेता प्रतिपक्ष योगेश निक्की भाले ने मुलाकात कर किया स्वागत

पाटन - नगर पंचायत पाटन के नए मुख्य नगर पालिका अधिकारी हेमंत वर्मा से नेता प्रतिपक्ष योगेश निक्की भाले के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल ने गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया। नेता प्रतिपक्ष योगेश निक्की भाले ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी वर्मा को नगर पंचायत पाटन के विभिन्न वार्ड में चल रहे विकास कार्यों की औपचारिक जानकरी दी साथ ही कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी और लाभ को जनता तक प्राथमिकता के साथ पहुंचाने पर जोर देने के लिए कहा। नेता प्रतिपक्ष योगेश निक्की भाले ने मुख्य नगर पालिका हेमंत वर्मा से आगे कहा कि अब आपको अपने जन्मभूमि क्षेत्र की सेवा करने का अवसर मिला हैं। हमें आशा ही नहीं वरन पूर्ण विश्वास है हम सब साथ मिलकर स्वर्णिम पाटन का निर्माण करेंगे। आपको बता दे कि हेमंत वर्मा का गांव दरबार मोखली हैं। इस दौरान भाजपा पाटन मण्डल अध्यक्ष रानी बंछोर, भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष केवल देवांगन, केशव बंछोर, भाजयुमो मण्डल उपाध्यक्ष मिलन देवांगन, नगर पंचायत के इंजीनियर अर्जुन निर्मल प्रमुख रुप से उपस्थित थे। विदित हो कि पूर्व सीएमओ सौरभ वाजपेयी का कुम्हारी नगर पालिका में स्थानांतरण होने के बाद हेमंत वर्मा ने नगर पंचायत पाटन की सीएमओ का कार्यभार संभाला है।

वक्रांगी लिमिटेड ने श्रीराम लाइफ इंश्योरेंस के साथ समझोता किया, अपने नेटवर्क में जीवन बीमा उत्पादों को भी बेचेगी

वक्रांगी लिमिटेड (VL) (बीएसई: 511431, एनएसई: वक्रांगी), भारत के सबसे बड़े लास्ट माइल डिस्ट्रीब्यूशन प्लेटफॉर्मों में से एक, ने श्रीराम लाइफ इंश्योरेंस के साथ एक रणनीतिक कॉर्पोरेट एजेंसी टाई-अप की घोषणा की है। यह साझेदारी देश भर में वाक्रांगी केंद्रों के माध्यम से व्यापक जीवन बीमा उत्पादों तक आसान पहुंच प्रदान करने का लक्ष्य रखती है। इस सहयोग के माध्यम से, वक्रांगी केंद्र, जो अंडर सर्वड़ और अन सर्वड़ क्षेत्रों में स्थित हैं, जीवन बीमा उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला की ऑफर कर सकेंगे। इस साझेदारी का लाभ उठाकर, हम बीमा समाधान की पहुंच और अफेर्डेबिलिटी को बढ़ावा देने का प्रयास कर रहे हैं, जिससे ग्राहक वित्तीय सुरक्षा प्राप्त कर सकें। इस साझेदारी पर टिप्पणी करते हुए, वक्रांगी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री वेदांत नंदवाना ने कहा, हमें श्रीराम लाइफइंश्योरेंस के साथ भागीदारी करने पर गर्व है ताकि हम अपनी आवश्यक सेवाओं के पोर्टफेलियो का विस्तार कर सकें। यह पहल हमारे वित्तीय समावेशन के दृष्टिकोण के साथ मेल खाती है और हर भारतीय, चाहे वह कहीं भी हो, के लिए उच्च गुणवत्ता वाले बीमा उत्पादों तक अंतिम मील पहुंच प्रदान करने का कार्य करती है। वक्रांगी केंद्र विशेष रूप से ब्रांडेड फॉर्मेट आउटलेट हैं जो बैंकिंग, बीमा, एटीएम, सहायक ई-कॉमर्स, ई-गवर्नेंस और समग्र स्वास्थ्य देखभाल में उत्पादों और सेवाओं की एक व्यापक श्रृंखला की पेशकश करते हैं। वक्रांगी केंद्रों के 83त्न आउटलेट Tier-4 से 6 स्थानों पर स्थित हैं, यह संघ वक्रांगी को देश के सबसे दूरस्थ हिस्सों में बीमा सेवाओं का पहुंच प्रदान करने की अनुमति देगा। हम अधिक उत्पादों और सेवाओं को जोड़ते रहेंगे और प्रमुख व्यवसाय साझेदारों के साथ जुड़कर अपने ग्राहकों के लिए सभी आवश्यकताओं का एक-स्टॉप समाधान प्रदान करेंगे। हम भारत में सबसे विश्वसनीय भौतिक और ऑनलाइन सुविधा स्टोर बनने का प्रयास कर रहे हैं और वक्रांगी केंद्र के नए ब्रांड दर्शन AB Poori Duniya Pados Mein की दिशा में सकारात्मक रूप से आगे बढ़ रहे हैं। 1990 में स्थापित, वाक्रांगी एक प्रमुख लास्ट माइल डिस्ट्रीब्यूशन प्लेटफॉर्म के रूप में उभरा है, जिसमें भौतिक और डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण हो चुका है जो भारत भर में मौजूद है। हम बिना सेवा वाले ग्रामीण, अर्ध-शहरी और शहरी बाजारों को वास्तविक समय में बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाएं, एटीएम, बीमा, ई-गवर्नेंस, ई-कॉमर्स (स्वास्थ्य सेवाओं सहित) और लॉजिस्टिक्स सेवाएं प्रदान कर रहे हैं, जिससे भारतीय लोग वित्तीय, सामाजिक और डिजिटल समावेशन का लाभ उठा सकें। वक्रांगी विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों के लिए गो टू मार्केट प्लेटफॉर्म के रूप में उभरा है, जिसमें फिनटेक और डिजिटल प्लेटफॉर्म शामिल हैं। सहायक डिजिटल सुविधा स्टोर (भौतिक आउटलेट) को वाक्रांगी केंद्र कहा जाता है।

सफलता की कहानी : महतारी वंदन योजना से महिलाएं हो रही हैं आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर

मुंगेली (समय दर्शन) मुंगेली विकासखण्ड के ग्राम गौधा की कंचन बाई, जो कभी एक-एक पैसे के लिए मोहताज हुआ करती थीं, आज महतारी वंदन योजना के तहत मिली राशि का उपयोग करके अपने जीवन में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रही हैं। कंचन बाई ठेला लगाकर गुपचुप बेचकर बमुश्किल गुजारा कर रही थी। कम आय होने के कारण से घर की आवश्यक जरूरतों को पूरा करना कठिन था तथा व्यवसाय को आगे बढ़ाने में मदद नहीं मिल पा रही थी। ऐसे समय में उन्होंने महतारी वंदन योजना का लाभ लेने के लिए फार्म भरा। आवेदन स्वीकृत होने के उपरांत उन्हें अब प्रतिमाह 01 हजार रूपए मिल रहा है, जिससे अब घर की रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करना आसान हो गया है। कंचन बाई पूरी मेहनत से अपने व्यवसाय को भी आगे बढ़ा रही है। योजना का लाभ मिलने से उनकी आर्थिक स्थिति में काफी सुधार आया। उन्होंने प्रतिमाह मिलने वाली 01 हजार रूपए की राशि को अपने व्यवसाय में निवेश करना शुरू किया। इस राशि का सही तरीके से उपयोग करने के कारण उनका व्यवसाय धीरे-धीरे बढ़ने लगा और उनकी आमदनी भी बढ़ने लगी।

कंचन बाई ने बताया कि उनके परिवार में 04 बच्चे सहित कुल 06 सदस्य हैं। महतारी वंदन योजना की राशि का उपयोग ठेले के लिए आवश्यक सामान जैसे कि गुणवत्ता वाली सामग्री, ठेले की मरम्मत और अन्य उपकरण खरीदने में किया है। इसके परिणामस्वरूप, वह न केवल अपने व्यवसाय को आगे बढ़ा रही हैं, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनने का मार्ग मिल रहा है। वह अपने व्यवसाय से अच्छी-खासी आमदनी अर्जित कर रही हैं। उनके व्यवसाय की सफलता न केवल उनके परिवार के लिए आर्थिक सहारा बनी है, बल्कि वह अब अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत भी बन गई हैं। कंचन बाई का यह संघर्ष और सफलता दर्शाता है कि सही दिशा में किए गए प्रयास और योजनाओं का लाभ व्यक्ति की स्थिति को बदल सकता है और महिलाएं आत्मनिर्भर बन सकती हैं।

योजना की राशि का सहारा मिलने पर आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर कंचन बाई ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और जिला प्रशासन को धन्यवाद ज्ञापित किया है। गौरतलब है कि महतारी वंदन योजना का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना है, ताकि वे अपने व्यवसायों को सशक्त बना सकें और अपने परिवारों के लिए समृद्धि ला सकें। इस योजना की राशि का उपयोग महिलाएं अपनी आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए कर रही हैं, जिससे वे समाज में सशक्त हो रही हैं और आर्थिक रूप से स्वतंत्र बन रही हैं।

नए साल के आगमन एवं पुराने साल के विदाई के उपलक्ष पर राम चरित मानस कथा का आयोजन संपन्न हुआ

शंकर लहरे/ सरायपाली (समय दर्शन)। सरायपाली विकास खंड के अंतर्गत आने वाले ग्राम दर्राभांठा में पावन वर्ष 2024 की विदाई और नव वर्ष 2025 के स्वागत के उपलक्ष्य में श्री राघव मानस परिवार द्वारा रात्रिकालीन राम चरित मानस कथा का आयोजन किया गया था।

इस आयोजन में क्षेत्र के विभिन्न मानस परिवारों ने अपनी अनुपम प्रस्तुति से श्रोताओं को श्रीराम कथा का रसपान कराया।

इस भव्य आयोजन में श्री राघव मानस परिवार दर्राभांठा के साथ शारदा मानस परिवार नवागढ़,कंवरपाली से घनश्याम पटेल उनकी टीम,पठारीपाली से वरुण विश्वकर्मा उनकी टीम,बिरकोल से मोतीचरण,रधाऊ चौहान,नरेश चौधरी,संतलाल निषाद उनकी टीम,झारपडीह से खिरबाई उनकी टीम तथा कोसमपाली से शंभुलाल चौहान उनकी टीम ने अपनी प्रभावशाली प्रस्तुतियों से कथा को जीवंत बना दिया।

पूरे आयोजन में भक्ति और आध्यात्म का अनुपम संगम देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने राम चरित मानस के दिव्य प्रसंगों का रसपान कर धर्म और संस्कृति के प्रति अपनी आस्था प्रकट की। इस आयोजन ने ग्रामीण क्षेत्र में उत्साह और भक्ति की नई ऊर्जा का संचार किया।

श्री राघव मानस परिवार के इस आयोजन को क्षेत्रीय समाज में भक्ति और समर्पण का एक सुंदर उदाहरण माना जा रहा है। इस आयोजन के अंत में सभी मानस परिवारों और उनकी टीमों को उत्कृष्ट प्रस्तुति के लिए सम्मानित किया गया।

जिला शिक्षा अधिकारी मुंगेली में कार्यरत मुख्य लिपिक नरेंद्र पाठक सेवानिवृत्त

सेवानिवृत्त पर कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी सी.के.धृतलहरे एवं समस्त स्टाफने उन्हें भावभीनी विदाई दी गई विदाई

मुंगेली (समय दर्शन) जिला शिक्षा अधिकारी मुंगेली में कार्यरत मुख्य लिपिक नरेंद्र पाठक सेवानिवृत्त हो गए । इस अवसर पर कार्यालय स्टाफ की ओर से उन्हें भावभीनी विदाई दी गई विदाई कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला शिक्षा अधिकारी सी. के. धृतलहरे ने कहा कि एक लंबे समय तक निष्पक्षतापूर्वक कार्य करने के लिए नरेंद्र पाठक को बधाई एवं शुभकामना दी । एडीपीओ अजय नाथ ने श्री पाठक को सहज सरल बताते हुए उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामना दी । जिला साक्षरता प्रभारी आर एन गुप्ता एपीसी आकाश परिहार एमआईएस प्रशासक अशोक सोनी एवं कार्यालय स्टाफ की ओर से संतोष मिश्रा दामोदर राजपूत, ने भी इस अवसर पर अपने उदगार व्यक्त किए ।सभी कार्यालयीन स्टाफकी ओर से नरेंद्र पाठक का शाल श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया । कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सुनील पाठक ,राजेश पाठक शत्रुघन कुलमित्र , महेंद्र यादव, बलदेव पोर्ते आलोक त्रिवेदी, चंद्रकांत देवांगन, मोरज सप्रे,अमृत निर्मलकर तांडव प्रताप , राकेश कश्यप तामेश सिंह , योगेश कश्यप ,संतोष साहू , गुलज़ारी लाल,जितेंद्र पांडे , रामकिशोर कैवर्त राघवेंद्र जोशी, संदीप यादव सहित सभी कार्यालयीन स्टाफ उपस्थित थे ।

पटवारी गांव-गांव जाकर करेंगे बी-वन का वाचन

नामांतरण, बंटवारा, त्रुटि सुधार एवं नक्शा बंटाकन के प्रकरणों का होगा त्वरित निराकरण

कलेक्टर के निर्देश पर पथरिया एस.डी.एम. ठाकुर ने राजस्व अधिकारियों की ली बैठक

मुंगेली (समय दर्शन) कलेक्टर राहुल देव के द्वारा जिले के सभी पटवारी को फील्ड में भेज कर बी-वन का वाचन करने एवं अभियान चलाकर नामांतरण, बंटवारा, नक्शा बटांकन आदि राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए गए हैं। इसी कड़ी में पथरिया एसडीएम बी.आर.ठाकुर द्वारा तहसीलदार, नायब तहसीलदार एवं राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर कार्य योजना बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए गए। एसडीएम ठाकुर ने बताया कि हल्का पटवारी गांव में उपस्थित होकर बी-वन का वाचन करेंगे और जो खातेदार बी-वन वाचन के समय उपस्थित नहीं हुए हैं उनके घर-घर जाकर त्रुटि सुधार, फौती नामांतरण की जानकारी प्राप्त करेंगे और इसका दैनिक रिपोर्ट प्रतिदिन प्रस्तुत करेंगे। उन्होंने बताया कि वीडियो कॉल के माध्यम से सभी पटवारियों को अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया है और इसकी सतत मॉनिटरिंग के लिए तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार को नोडल अधिकारी बनाया गया है।

ठाकुर ने बताया कि अनुविभाग के थाना प्रभारियों की बैठक कर असामाजिक तत्वों के विरुद्ध कठोर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया गया है। इस संबंध में राजस्व निरीक्षक एवं पटवारी को असामाजिक तत्वों की सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि कलेक्टर द्वारा शैक्षणिक संस्थाओं के 100 मीटर की परिधि में गुटका तंबाकू आदि नशीले पदार्थ के विक्रय पर प्रतिबंध लगाने के लिए संबंधित दुकानों एवं ठेला संचालकों के विरुद्ध कार्रवाई कर हटाने के निर्देश दिए गए हैं। अनुविभाग के राजस्व अधिकारियों को इस संबंध में भी आवश्यक कार्यवाही करने के लिए कहा गया है। धान खरीदी को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए नियमित भौतिक सत्यापन, अवैध धान भंडारण एवं परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई में तेजी लाने के भी निर्देश दिए गए हैं। बैठक में पथरिया तहसीलदार श्रीमती छाया अग्रवाल, सरगांव तहसीलदार अतुल वैष्णव सहित अन्य राजस्व अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

आईआईएम रायपुर ने असम प्रतिनिधियों के साथ युवा संगम चरण 5 सांस्कृतिक आदान-प्रदान का सफल समापन किया

रायपुर: भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रायपुर द्वारा आयोजित और शिक्षा मंत्रालय के सहयोग से एक भारत, श्रेष्ठ भारत पहल के तहत युवा संगम चरण 5 सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम का पांच दिवसीय आयोजन सफलता के साथ संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में असम के प्रतिनिधियों ने छत्तीसगढ़ की संस्कृति, परंपराओं और धरोहर से जुड़ने और सीखने का अविस्मरणीय अनुभव प्राप्त किया। मड़ई ऑडिटोरियम, आईआईएम रायपुर में आयोजित समापन सत्र में छत्तीसगढ़ के सबसे युवा सांसद और पूर्व लोकसभा सदस्य श्री अभिषेक सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। अपने प्रेरणादायक संबोधन में उन्होंने छात्रों को अपने आराम क्षेत्र से बाहर निकलकर अनुभवों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा, जब भी जीवन आपको अपनी सीमाओं से परे जाने का अवसर दे ङ्क बौद्धिक रूप से या शारीरिक रूप से ङ्क इसे स्वीकार करें। ऐसे अनुभव आपके व्यक्तित्व में अद्भुत आत्मविश्वास का निर्माण करते हैं, और वह परिवर्तन अनमोल होता है। उन्होंने छात्रों को जिज्ञासु और खुले विचारों वाला बने रहने की सलाह दी और जोड़ा, हमेशा अपने अनुभवों पर चिंतन करने का समय निकालें, क्योंकि ये चिंतन आपको अपने बारे में कुछ नया सिखाएंगे और आपको विकसित होने में मदद करेंगे। समापन सत्र में असम के प्रतिनिधियों द्वारा एक सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई, जिसमें राज्य की समृद्ध परंपराओं और समुदाय की झलक देखने को मिली। प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए इसे जीवन का एक अनोखा अवसर बताया। एक प्रतिनिधि ने कहा, हमारे कॉलेज में, हम ज्यादातर सैद्धांतिक अध्ययन पर ध्यान केंद्रित करते हैं। युवा संगम ने मुझे यह सिखाया कि ये अवधारणाएँ वास्तविक दुनिया के पर्यावरण और वन्य जीवन में कैसे काम करती हैं। साथ ही, इसने मुझे असम के विभिन्न जिलों के लोगों से जुड़ने और छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति और धरोहर को करीब से जानने का मौका दिया।दूसरी प्रतिभागी ने कहा, सिरपुर और भिलाई स्टील प्लांट का दौरा मेरे जीवन के सबसे अच्छे अनुभवों में से एक था। एक विजुअल आर्ट्स बैकग्राउंड से होने के कारण, मैंने कभी नहीं सोचा था कि छत्तीसगढ़ में इतनी समृद्ध पुरातात्विक धरोहर है।

खबर-खास

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने गन्ना किसानों के अध्ययन दल को भगवा ध्वज दिखाकर रवाना किया

कवर्धा (समय दर्शन)। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बुधवार 1 जनवरी को भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना और सरदार पटेल सहकारी शक्कर कारखाना के कार्यक्षेत्र के किसानों के अध्ययन दल को महाराष्ट्र के लिए भगवा ध्वज दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर कलेक्टर गोपाल वर्मा के निर्देशानुसार यह यात्रा गन्ने की आधुनिक खेती की उन्नत तकनीकों का अध्ययन कराने के उद्देश्य से आयोजित की गई है। किसानों की इस यात्रा के रवानगी के दौरान कैलाश चंद्रवंशी, भोरमदेव शक्कर कारखानों के प्रबंधक जीएस शर्मा, सरदार वल्लभ भाई पटेल कारखाना के प्रबंधक उत्तर कौशिक सहित अधिकारी-कर्मचारी, भारतीय किसान संघ के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे। अध्ययन दल में दोनों शक्कर कारखानों के कार्यक्षेत्र के शताधिक किसान शामिल हैं, जो 1 जनवरी को कवर्धा से रवाना होकर वसंत दादा पाटिल शुगर इंस्टीट्यूट, पुणे पहुंचेंगे। यहां किसानों को एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसमें गन्ने की आधुनिक किस्मों, अधिक उत्पादन और उच्च रिकवरी प्राप्त करने की तकनीकी जानकारियां साझा की जाएंगी। इसके बाद किसान पड़ेगांव गन्ना रिसर्च सेंटर और बारामती कृषि विज्ञान केंद्र का दौरा करेंगे, जहां उन्हें गन्ने की खेती में अनुसंधान आधारित नवीनतम तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। यात्रा के दौरान किसान पंढरपुर स्थित शक्कर कारखाने का भ्रमण करेंगे और शक्कर उत्पादन की पूरी प्रक्रिया को नजदीक से समझेंगे। इसके बाद सतारा में एक विशेष बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें गन्ने की खेती से जुड़े व्यावहारिक अनुभवों का आदान-प्रदान होगा। इस अध्ययन यात्रा का मुख्य उद्देश्य किसानों को गन्ने की आधुनिक खेती के उन्नत तरीकों से परिचित कराना है, ताकि वे अपनी फसल में अधिक उत्पादन और बेहतर गुणवत्ता सुनिश्चित कर सकें। इससे न केवल किसानों की आय में वृद्धि होगी, बल्कि जिले में गन्ना उत्पादन को भी नई दिशा मिलेगी।

पैंतीसवें राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के शुभारंभ में जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

कवर्धा (समय दर्शन)। पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह (आईपीएस) ने ट्रैफिक प्लाजा से 35वें राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का शुभारंभ अवसर पर जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रथ ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जाकर सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने का कार्य करेगा। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र बघेल, पंकज पटेल, डीएसपी संजय ध्रुव, कृष्ण कुमार चंद्राकर, सिद्धार्थ सिंह चौहान, यातायात प्रभारी प्रवीण खलखों, आशीष कंसारी सहित अन्य अधिकारी एवं पुलिस जवान उपस्थित रहे। पुलिस अधीक्षक श्री सिंह ने नागरिकों से यातायात नियमों के पालन की अपील करते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है। यातायात नियमों का पालन करके न केवल हम अपनी बल्कि दूसरों की भी सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं। उन्होंने वाहन चालकों से सीट बेल्ट, हेलमेट का उपयोग करने और शराब पीकर वाहन न चलाने की अपील की। साथ ही, उन्होंने बच्चों और युवाओं से यातायात नियमों का पालन करने और जागरूकता फैलाने का आग्रह किया। जागरूकता रथ का मुख्य उद्देश्य लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति शिक्षित करना है। यह रथ यातायात नियमों, गति सीमा, सिग्नल के पालन, और सुरक्षित वाहन चालन के प्रति जागरूक करेगा। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना और हर नागरिक को सड़क सुरक्षा के प्रति जिम्मेदार बनाना है। यह प्रयास सभी के सहयोग से सफल होगा।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह में होगा विविध आयोजन- राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 01 जनवरी 2025 से 31 जनवरी 2025 तक मनाया जाएगा। इस दौरान यातायात विभाग द्वारा विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें विद्यालयों में जागरूकता सत्र, नुक्कड़ नाटक, वाहन चालकों के लिए कार्यशालाएं, प्रमुख चौराहों पर जागरूकता अभियान, रैली एवं साइकिल मार्च, और पोस्टर-पंपलेट वितरण जैसे कार्यक्रम शामिल हैं।

गरियाबंद यातायात पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा माह का शुभारंभ, पुलिस जवानों ने हेलमेट लगाकर निकाली रैली

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिला मुख्यालय में सड़क सुरक्षा माह का शुभारंभ कलेक्टर दीपक अग्रवाल,पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा, डी एस पी निशा सिंहा,आरटीओ प्रभारी रविंद्र ठाकुर,रक्षित निरीक्षक सनत ठाकुरए थाना प्रभारी ओमप्रकाश यादव के आतिथ्य में आज पुलिस कन्ट्रोल रूम कार्यालय में किया गया।इस कार्यक्रम के प्रारम्भ में पुलिस जवानों के द्वारा पुलिस परेड ग्राउंड से कन्ट्रोल रूम तक हेलमेट लगाकर मोटरसाइकिल रैली निकालकर लोगो में जागरूकता लाया गया।आयोजित इस सड़क सुरक्षा सप्ताह में पुलिस विभाग द्वारा एक जनवरी से 31 जनवरी तक लोगो को यातायात के प्रति जागरूक करने हर दिन एक नया पहल किया जायेगा।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में कलेक्टर दीपक अग्रवाल, पुलिस अधीक्षक पुलिस निखिल राखेचा व विभाग द्वारा माँ सरस्वती के छायाचित्र में दीप प्रज्वलीत कर पूजा करते हुए कार्यक्रम की शुरुवात किया गया।ज्ञात हो कि लोगो मे जागरूकता लाने के लिए पुलिस विभाग द्वारा हर वर्ष यातायात माह मनाते हुए लोगो को यातायात के प्रति जागरूक किया जाता है ताकि लोग यातायात के नियमो का पालन करे और सड़क दुर्घटना कम हो सके। कार्यक्रम के पहले दिन पुलिस विभाग द्वारा लोगो से अपील करते हुए कहा कि यातायात नियमो का पालन करते हुए शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के लोगो को वाहन चलाते वक्त सावधानी बरतना जरूरी है।

ज्ञात हो कि वर्ष भर से गरियाबंद यातायात पुलिस द्वारा लोगो को मोटरसाइकिल में तीन सवारी न चलने, नशे की हालत में वाहन न चलाने,हेलमेट पहनने जैसे विभिन्न यातायात नियमो का पालन करने जागरूक किया जा रहा था।इस अवसर पर कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने कहा कि आज एक आज के समय में मोटर साइकिल दुर्घटना में अधिकांश लोगों को गम्भीर चोट तब लगती है जब वे हेलमेट नही पहने होते है।क्योंकि मोटर साइकिल दुर्घटना में हेलमेट नही पहने होने से सिर में चोट लगने से दुर्घटना गम्भीर हो जाता।वही हेलमेट पहने होने से हाथ पैर के चोट लगती है जिसे ठिक किया जा सकता है।इन सब कारणों के चलते पुलिस विभाग हेलमेट पहनने लगातार अपील करती है।वही पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा ने कहा की किसी भी ब्यक्ति को वाहन चलाते वक्त मोबाइल पर बात नही करना चाहिए क्योकि वाहन चलाते वक्त मोबाइल में बात करने से दुर्घटना घटी सकती है,इसके साथ ही वाहन चालकों को सड़क में बने साइन का ध्यान देना जरुरी है ताकि यातायात से लोगो को परेशानी न हो।वही वाहन लेने के साथ लोगो को हेलमेट,चालक को लाइसेंस अवश्य बना लेने की बात कहे।आगे उन्होंने कहा कि ये यातायात माह लोगो को यातायात नियमो के प्रति जागरूक करने के लिए किया जाता है।कार्यक्रम में सहायक उप निरीक्षक रामाधर मरकाम,टीकाराम ध्रुव प्रहलाद थानापती प्रदीप सिन्हा,योगेश सिंग,धर्मेंद्र ठाकुर,नीरज सोनी,वीरेंद्र पटेल,कोमल साहू,अनिल पांडे,विकास कश्यप,हरीश भाई ठक्कर सहित अन्य गणमान्य नागरिक के साथ स्कूल के प्रचार्य,शिक्षक एवं स्कूली बच्चे के साथ पुलिस स्टाप मौजूद थे।कार्यक्रम का संचालन शिक्षक गिरीश शर्मा द्वारा किया गया।

नगर पालिका अध्यक्ष गफ्फू मेमन ने 108 कुण्डीय महायज्ञ के तैयारियों का जायजा लिया, हर संभव मदद का आश्वासन

गरियाबंद (समय दर्शन)। नगर पालिका अध्यक्ष अब्दुल गफ्फार मेमन ने बुधवार को जिला मुख्यालय गरियाबंद में 3 जनवरी 6 जनवरी तक गांधी मैदान में होने वाले 108 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ के तैयारियों का जायजा लिया।इस दौरान उन्होंने यज्ञ स्थल में बने यज्ञ कुंड,प्रवेश द्वार,मंच,बैठक व्यवस्था,पार्किंग स्थल आदि का निरीक्षण किया।इसके आलावा मंगल भवन,भोजन कक्ष,स्टॉल,श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए बनाई गई व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया।नपा अध्यक्ष ने आयोजन समिति से भी चर्चा कर यज्ञ स्थल पर की जा रही व्यवस्थाओं की जानकारी ली। मेमन ने उन्हें नगर पालिका की ओर से हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया।इसके साथ ही यज्ञ के दौरान सहयोग हेतु टीम गठित करने की भी जानकारी दी। मेमन ने कहा की नगर में बड़ा धार्मिक कार्यक्रम हो रहा है, हजारों की संख्या में श्रद्धालु इसमें सहभागी बनने ओर शामिल होने यहां पहुंचेगें।उनके आवागमन से लेकर रुकने ठहरने और भोजन सहित सभी प्रबंधन बेहतर और सुगम हो इसका हम सभी को मिलकर प्रयास करना चाहिए। हमारा प्रयास रहेगा की यह पूरा कार्यक्रम शांतिपूर्ण संपन्न हो और किसी प्रकार की कोई समस्या किसी को भी ना हो।इसके लिए उन्होंने नगरवासियों से भी हर संभव सहयोग करने की अपील की।

भक्तों ने की नववर्ष 2025 के पहले दिन की शुरुआत बाबा भूतेश्वर नाथ के आशीर्वाद के साथ

गरियाबंद (समय दर्शन)। साल 2025 की शुरुआत आज 1 जनवरी से हो चुकी है. साल के पहले दिन लोग मंदिरो में भगवान के दर्शन कर पहले दिन की शुरूआत करते हैं।भक्तों की चाहत होती है कि भगवान उनकी सभी मनोकामना पूरी करें.यही सोचकर महिला पुरुष बच्चे सभी मंदिर में भगवान के सामने माथा टेककर अपनी मन्नत और मनोकामना पूर्ति के लिए मंदिर पहुंचते है तो वही एक तरफगरियाबंद जिला मुख्यालय से 3 किलोमीटर की दूरी में स्थित विश्व के सबसे बड़े शिवलिंग भूतेश्वर नाथ मंदिर में सुबह से हजारों की तादाद में श्रद्धालुओं की भीड़ देखने को मिली भक्त गरियाबंद जिले से ही नहीं बल्कि दूसरे जिले से भी भक्त मंदिर पहुंचे और नए वर्ष 2025 के पहले दिन भूतेश्वर नाथ के दर्शन और आशीर्वाद प्राप्त कर नव वर्ष के पहले दिन की शुरुआत किए इस साल नववर्ष में बाबा भूतेश्वर नाथ में बहुत भीड़ दिख देखने को मिली।

अमानत में ख्यानत पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

बलौदाबाजार-भाटापारा। दिनांक 27.12.2024 को प्रार्थी लोकेश शर्मा निवासी गोल्डन होम्स खम्हारडीह शंकर नगर रायपुर द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि दिनांक 17.12.2024 को उसके ट्रांसपोर्ट ऑफिस रवान से आरोपी तुषार गोविंदानी के द्वारा ट्रक क्रमांक ह्ठ09 0085 में दिनांक 17.12.2024 को कुल 680 बोरी अंबुजा पावर सीमेंट कीमती ?2,31,200 को नवरंगपुर उड़ीसा में भेजने हेतु रवाना किया गया था, जो रवाना होने के पश्चात दिनांक 27.12.2024 तक सीमेंट गंतव्य स्थान में नहीं पहुंचा। इस संबंध में तुषार गोविंदानी से कई बार फोन से संपर्क किया, किन्तु वह टालमटोल कर रहा है। घटना पर प्रार्थी लोकेश शर्मा की रिपोर्ट पर थाना सिटी कोतवाली में अपराध क्रमांक 947/2024 धारा 318(4),316(2) बीएनएस का प्रकरण पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया। कि प्रकरण में आरोपी के केउझर जिला उडीसा में उपस्थिति की जानकारी मिलने पर थाना सिटी कोतवाली से टीम गठित कर माल-मुलजिम पतासाजी हेतु उडीसा की ओर रवाना किया गया था, उक्त टीम के द्वारा जिला केउझर में आरोपी तुषार को पहचान कर पकडा गया, जिससे घटना के संबंध में पूछताछ करने पर उसने बताया कि उसके द्वारा दिनांक 17.12.2024 को ट्रक क्र. ह्ठ09 0085 में 680 बोरी सीमेंट को रवान से लोड कर ट्रांसपोर्टर के बताए अनुसार उडीसा के लिए रवाना हुआ था। आरोपी के द्वारा अमानत में ख्यानत एवं धोखाधडी के नियत से उक्त सीमेंट को गंतव्य स्थान पर ना पहुंचाकर अपनी मर्जी से अन्य स्थान ग्राम अरसला थाना झामपुरा जिला केउझर उड़ीसा में छुपा कर रखना बताया।

नक्सलियों द्वारा बिछाए आईडी को बरामद कर किए डिफ्यूज

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले में पुलिस विभाग की सक्रियता से नक्सलियों के एक बड़े मंसूबे को असफल कर उनके द्वारा बिछाए गए बम को डिफ्यूज किया गया।घटना के विषय में मिली जानकारी के अनुसार नव वर्ष के पहले तारीख को ही जिले के मैनपुर क्षेत्र के थाना शोभा क्षेत्र में सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने की नीयत से मोंगराभर्री गांव के करीब एक पगडंडी रास्ते में माओवादियों द्वारा लगाये गये एक नग एंटी हैंडलिंग आईईडी को बरामद किया गया,जिसे 211 वाहिनी सीआरपीएफ एवं जिला बल की संयुक्त टीम द्वारा बरामद आईइडी को सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय कर नक्सलियों को द्वारा बिछाए गए एक बड़ी घटना को असफल किया गया।

नए साल के सेलीब्रेसन पर गजराज की धमक, सैकड़ो यात्री फसें

गरियाबंद (समय दर्शन)। एक ओर जहाँ लोग नव वर्ष को सेलिब्रेट कर रहे है वही आज दोपहर तक़रीबन चार बजे से तौरेंगा मार्ग में सैकड़ो वाहन की लंबी कतार देखी गई कई पर्यटक और श्रद्धालु बीच रास्ते में घंटों से परेशान फँसे रहे।मिली जनाकारी के मुताबिक़ तोरेंगा से जतमाई घटारानी जाने वाले मार्ग के आस पास एक दंतैल हाथी को विचरण करते देखा गया है जिसके बाद से फारेस्ट विभाग की टीम लगातार गस्त कर रही है।ज्ञात हो कि क्षेत्र में कुछ दिनों पूर्व तीन हाथी का आगमन हुआ था जिसमें दो हाथी अन्य जगह की ओर निकल गए वही एक दतेल हाथी दोनो से बिछड़ गया जो जतमाई और तोरेंगा के समीप भटक रहा है।इससे पूर्व हाथी के हमले से तीन लोगों की मौत हो चुकी है जिसके चलते वन विभाग की टीम लगातार हाथी के ऊपर नजर रखते हुए उस क्षेत्र के लोगों में सावधानी बरतने की अपील कर रहे है।फिलहाल पर्यटक पिछले एक घंटे से ऊपर तौरेंगा और जातमाई के बीच में फँसे रहे।,वही गजराज हाथी मित्र की टीम पर्यटकों की सुरक्षा में है।

जिले में 5 जनवरी को मुख्यमंत्री प्रवास कार्यक्रम प्रस्तावित

कलेक्टर अग्रवाल ने तैयारियों के संबंध में अधिकारियों की ली बैठक

गरियाबंद (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का गरियाबंद जिले में प्रवास कार्यक्रम 5 जनवरी 2025 को संभावित है। मुख्यमंत्री श्री साय जिला प्रवास के दौरान विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यो का लोकार्पण शिलान्यास करेंगे। साथ ही हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित कर सामग्रियों का वितरण करेंगे। विभागीय स्टॉलो का अवलोकन करेंगे।इसके साथ ही मंचीय कार्यक्रम के माध्यम से आमजनों को संबोधित भी करेंगे। मुख्यमंत्री प्रवास के तैयारियों के संबंध में आज कलेक्टर श्री दीपक अग्रवाल ने विभागीय अधिकारियों की बैठक ली।उन्होंने कार्यक्रम स्थल की तैयारी, हेलीपेड व्यवस्था, टेंट, साफ-सफाई, मंच की तैयारी,सामग्री वितरण, सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य जरूरी व्यवस्थाओं की तैयारी शुरू कर सभी कार्यो को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने के निर्देश दिये। इस दौरान अपर कलेक्टर प्रकाश राजपूत, संयुक्त कलेक्टर राकेश गोलछा सहित अन्य जिला अधिकारीगण मौजूद रहे।

नाम परिवर्तन

मैं श्रीमती मेहर खत्री पति लव खत्री उम्र 26 वर्ष निवासी वार्ड नं. 24 कंवरनगर सिंधी कालोनी दुर्ग, मेरा विवाह दिनांक 21.11.2024 को श्री लव खत्री पिता सुदामा खत्री के साथ विधि विधान से सम्पन्न हुआ।

विवाह पूर्व मैं पूजा जिमनानी पिता पवन कुमार जिमनानी के नाम से जानी पहचानी जाती थी। विवाह पश्चात मैं मेहर खत्री पति लव खत्री के नाम से जानी पहचानी जाती हूं तथा भविष्य में भी मुझे मेहर खत्री पति लव खत्री के नाम से जाना पहचाना जावे।

शपथकर्ता

न्यायालय नायब तहसीलदार पिपरिया तहसील पिपरिया जिला-कबीरधाम

ईकोर्ट प्रकरण कमांक/ब-121/वर्ष 2024-25
ग्राम दशरंगपुर प.ह.नं. 28

// ईश्तहार//

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक तरूण कुमार ध्रुव पिता रामसिंह ध्रुव निवासी तरपोंगी तहसील तिल्दा जिला रायपुर द्वारा अपने दादी नेमकुंवर पति अवधराम का मृत्यु प्रमाण पत्र जारी कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। आवेदक के दादी नेमकुंवर पति अवधराम की मृत्यु दिनांक 24.10.1996 को ग्राम दाशरंगपुर तहसील-पिपरिया, जिला कबीरधाम में हुआ है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो मेरे न्यायालय में उपस्थित होकर मेरे समक्ष लिखित रूप से पेशी तारीख 07.01.2025 तक प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् के दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह ईश्तहार आज दिनांक 26.12.2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलीन की मुहर से जारी किया गया।
पेशी दिनांक 07.01.2025

मुहर

नायब तहसीलदार
पिपरिया

//न्यायालय नायब तहसीलदार पिपरिया तहसील पिपरिया जिला-कबीरधाम//
मामले की श्रेणी राजस्व

ईकोर्ट प्रकरण कमांक / ब-121/वर्ष 2024-25
ग्राम - दशरंगपुर प.ह.नं. 28

// ईश्तहार//

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक तरूण कुमार ध्रुव पिता रामसिंह ध्रुव निवासी तरपोंगी तहसील तिल्दा जिला रायपुर द्वारा अपने दादा दयाराम पिता मदन का मृत्यु प्रमाण पत्र जारी कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। आवेदक के दादा दयाराम पिता मदन की मृत्यु दिनांक 05.02.1985 को ग्राम दशरंगपुर तहसील-पिपरिया, जिला कबीरधाम में हुआ है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो मेरे न्यायालय में उपस्थित होकर मेरे समक्ष लिखित रूप से पेशी तारीख 07.01.2025 तक प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् के दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह ईश्तहार आज दिनांक 26.12.2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलीन की मुहर से जारी किया गया ।
पेशी दिनांक 07.01.2025

मुहर

नायब तहसीलदार
पिपरिया

सावित्रीपुर स्कूल में आज से तीन दिवसीय वार्षिकोत्सव का शुभारंभ

■ शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सावित्रीपुर में 02 से 04जनवरी 2025 तक शालेय खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

बसना(समय दर्शन)। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी प्राचार्य प्रसाद सिदार के निर्देशन व बीडी साहू तथा पी एल चौधरी के मार्गदर्शन में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सावित्रीपुर में 2 जनवरी से 4 जनवरी 2025 में नव वर्ष के शुभ तिथियों में वार्षिक शालेय खेलकूद एवं अंतिम तिथि को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम रखा गया है। जिसके प्रति बच्चों में विशेष उत्साह दिखाई दे रहा है ।

प्रत्येक दिवस के लिए कक्षा पहली से बारहवीं तक के छात्र-छात्राओं के लिए न्यौता भोज का आयोजन भी रखा गया है ।2से 3 जनवरी को न्योता भोज शाला परिवार द्वारा वितरण किया जाना है, साथ ही 4 जनवरी को प्राचार्य प्रसाद सिदार के द्वारा अपने जन्मदिन के उपलक्ष में न्योता भोज दिया जावेगा है। समस्त कार्यक्रमों के लिए बच्चों,शिक्षकों,समिति सदस्यों ,ग्राम वासियों में विशेष उत्साह दिखाई दे रहा है ।वे सभी प्रकार से आयोजन को सफल बनाने में लगे हुए हैं ।प्रारंभिक दो दिनों का न्यौता भोज ललित मिश्रा,प्राथमिक शाला प्रधानपाठक महेंद्र तांडी ,ध्रुव सर,जयंती सागर मैडम, प्रदीप बारीक,मिडिल स्कूल हेडमास्टर एसएल पटेल, एन के जलछत्री , प्रवीण साहू , संकुल समन्वयक पीएल चौधरी द्वारा दिया जा रहा है।

शासकीय प्राथमिक शाला छोटेटेमरी में नेवता भोज का आयोजन

बसना (समय दर्शन)। बसना विकासखंड के शासकीय प्राथमिक शाला छोटेटेमरी, संकुल केंद्र बड़ेटेमरी, में शिक्षको द्वारा स्वेच्छा से नेवता भोज का आयोजन किया गया। मध्यान्ह भोजन के साथ साथ बच्चो को बिस्किट,टॉफी,मीठा और कुरकुरे चिप्स दिया गया ।सभी बच्चे बड़े ही चाव के साथ नेवता भोज का आनंद लिया। नेवता भोजन पाकर बच्चे खुश नजर आए। इस नेवता भोज कार्यक्रम में ह्यद्वष अध्यक्ष विरेंद्र साव, गोकुल जगत, पुर्णचंद भोई, विजय प्रधान, खैरुन हुसैन आदि उपस्थित थे।

नेवता भोज के इस आयोजन पर बसना विकासखंड शिक्षा अधिकारी जे आर डहरिया, विकास खण्ड स्त्रोत समन्वयक डॉ पूर्णानंद मिश्रा, सहायक विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी विनोद शुक्ला, बढ़ी विशाल जोल्हे,लोकेश्वर सिंह कंवर, बड़ेटेमरी नोडल प्राचार्य शरद प्रधान, संकुल समन्वयक बड़ेटेमरी वारिश कुमार और शाला प्रबंधन समिति के सदस्यों ने प्रसन्नता व्यक्त की है। उक्त जानकारी प्रधान पाठक गफ्फार खान ने दी है।

जिंदगी गम का सागर है तैर कर उस पार जाना पड़ेगा साल नया पर पुष्पा का दुख वही पुराना

ओमप्रकाश बघेल/ देवभोग(समय दर्शन)। बांड़ीगांव की पुष्पा यादव 65 के उम्र में भी रोटी, कपडा, मकान जैसी बुनियादी जरूरतो को पूरा करने में असमर्थ है ।पुष्पा एक वृध्द महिला है जो सालो पहले अपने घर से निकाली जा चुकी है। बुढ़ापा अक्सर बचपन का दौर-ए-सानी हुआ करता है। बूढ़ी पुष्पा मे अपनी शिकायतों की तरफ़ मुख़ातिब करने का, रोने के सिवा कोई दूसरा ज़रिया नहीं है। आँखें हाथ, पैर सब जवाब दे चुके हैं। वो ब- आवाज बुलंद रोती है ।पुष्पा को अब पेट भर रूखा दाना भी मुश्किल से मिलता है। कोई चुटकी लेकर भागता है तो कोई उन पर पानी की कुल्ली कर देता है। बूढ़ी पुष्पा अपनी अस्थायी अँधेरी कोठरी में ख़्याल-ए-ग़म की तरह बैठी रहती है ।बूढ़ी पुष्पा से जब मुलाकात हुई तो पुष्पा ने ना सर उठाया न रोईं न बोलीं, चुप-चाप रेंगती हुई वहां से अपने ठिकाने में चली गईं ।सदमा ऐसा सख़्त था कि दिलो दिमाग की नस फाड़ दे दिल

में ये फ़ैसला करके वो ख़ामोशी से बुलावे का इंतिज़ार करने लगीं ।आखिरकार मुलाकात हुई। घरेलू हिंसा की शिकार पुष्पा के पति के चले जाते ही पुष्पा के जीवन से मानो सब कुछ चला गया। पुष्पा अपने पति की दूसरी पत्नी थी जो निसंतान है। बूढ़ी पीढ़ी की यातना और अकेलेपन का बोध पुष्पा के परिस्थिति को देखकर साफझलकता है। यह बेहद मार्मिक है कठिन है असहाय है फिर भी जीने की चाह ही पुष्पा की जिंदगी है। मैंने पूछा आज नया साल है उसने कहा कि मुझे पता नहीं मन में ख्याल आया साल तो नया है पर तकलीफ तो काफी पुराना है। परिस्थिति को देख एक शेर याद आया एक और ईंट गिर गई दीवार ए जिंदगी से नादान कह रहे हैं नया साल मुबारक हो। आज बूढ़े माता पिता को पुराने समान के रूप में देखने वाले बेटों का दारुण रुप हमारे समाज और परिवार की सच्चाई है। माता की ममतामय बांहो मे समा जाने वाले बेटा और अपने बेटे के सामने ममता कि प्रतिमुर्ति लगने वाली मां आज इस कड़कड़ाती ठंड मे अकेली भूख प्यासी लाचार दिख रही है। मैंने कहा मैं क्या कर सकता हूं उसने कहा गरमी आने से पहले मुझे कोई छांवदार जगह की जरुरत है मैंने झूठ भरे लहजे में कहा ठीक है परंतु मुझे पता है निसहाय लोगों को अपने कलम के स्याही के अलावा देने को कुछ नहीं है। पुष्पा को देख पता चला ना संघर्ष ख़त्म होता है ना ही शिकायतें धीरे धीरे जो खत्म हो रही है वो उम्र है । जो लोग मौत से भी नहीं डरते वो पुष्पा की जिंदगी देख ऐसी जिंदगी से जरूर डरेंगे। पुरानी पीढ़ी के लिए धीरे धीरे जगह खत्म होती जा रही है। अपमान तिरस्कार उपेक्षा से दुखित पुष्पा रुपी पुरानी पीढी अकेलेपन को स्वीकारना ज्यादा उचित समझती है ।क्या पुष्पा का कोई लेगा सुध... ? पुष्पा को मिल पायेगा जीने की बुनियादी सुविधा... ? या पुष्पा आकेले ही रह जायेगी

गांव गांव में सबसे लोकप्रिय खेल बन गया है क्रिकेट :- विधायक इंद्र साव

भाटापारा (समय दर्शन)। ग्रामीण अंचलों में पूर्व में सबसे ज्यादा खेल खेले जाने वाला कबड्डी माना जाता रहा है लेकिन बदलते वर्तमान परिवेश में अगर कोई खेल सबसे लोकप्रिय है तो वो क्रिकेट हो गया है ।उक्त बाते क्षेत्र के विधायक इंद्र साव ने ग्राम सूरजपुरा में बाबा सधागीर क्रिकेट क्लब के तत्वावधान में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता के समापन एवं पुरस्कार वितरण के दौरान उपस्थित खिलाड़ियों और ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कही।

विधायक इन्द्र साव ने कहा कि आज क्रिकेट खेल की दीवानगी ने इतनी खूबियां बटोरी है कि इस खेल ने अमेरिका जैसे देश में भी अपने प्रशंसक खड़े कर दिए है और वहां के खिलाड़ियों ने अपने खेल के दम विश्व के कई देशों में भी अपनी छाप छोड़ दी है ।देश विदेश के बाद इस क्रिकेट की दीवानगी ने गांव गांव में अपनी दस्तक दे दी और ब्लॉक का कोई ऐसा गांव नहीं बचा होगा,जहां इस खेल को खेलने वाले युवा खिलाड़ी या प्रशंसक ना हो ।विधायक श्री साव ने कहा कि कोई भी खेल हो वो हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है ,लालायित करता है ।खेल में कोई हारता नहीं,बल्कि सीखता है और हार से कभी निराश नहीं होना चाहिए ।विधायक श्री साव ने खर्री इलेवन क्रिकेट क्लब की टीम को विजेता एवं दावनबोड़ क्रिकेट क्लब की टीम को उपविजेता का पुरस्कार वितरण करते हुए खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनका उत्साह वर्धन किया ।

इस आयोजन में मुख्य रूप से मनहरण वर्मा, राजा वर्मा, परमेश्वर यदु उप सरपंच, नूतन वर्मा, चन्दू लाल यदु, अरूण यादव, मनी वर्मा, अनिल पाल, गणेश पाल, लोकेश वर्मा, मनोज यदु, राजेन्द्र पाल, गोविंद वर्मा सरपंच दावनबोड़, रामप्रसाद यदु, नेतराम वर्मा, उकेराम वर्मा, अभिषेक वर्मा, एलन वर्मा, शंकर संवरा सहित ग्रामीणजन का विशेष योगदान रहा।

ऐतिहासिक कलश यात्रा के साथ आज सेलूद में शुरू होगी 24 कुंडिय शक्ति संवर्धन गायत्री महायज्ञ

पाटन (समय दर्शन)। ग्राम सेलूद में 24 कुण्डीय शक्ति संवर्धन गायत्री महायज्ञ, विराट महिला सम्मेलन एवं श्रीमद गायत्री महापुराण कथा 2 से 5 जनवरी तक आयोजित है । 2 जनवरी गुरूवार को कलश यात्रा के इसकी शुरुआत होगी। यज्ञ आयोजन समिति के संयोजक श्रीमति खेमिन साहू ने बताया कि महायज्ञ की तैयारी पूरी हो चुकी है। सेलूद पहली बार ऐतिहासिक कलश यात्रा की तैयारी की गई है।

ग्राम सेलूद के हाई स्कूल मैदान पर 24 कुंडी गायत्री शक्ति संवर्धन महायज्ञ एवं विराट महिला सम्मेलन का आयोजन 2 जनवरी से शुरू होगा। इस आयोजन की तैयारी बृहद रूप से की गई है । स्कूल परिसर के विशाल मैदान पर 24 कुंडली यज्ञ की तैयारी के साथ-साथ विशाल आकर्षक मंच भी बनाया गया है। साथ ही साथ समरसता भवन के पास भी मैदान पर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए भोजन की व्यवस्था रखी गई है । सुबह 11:00 बजे कलश यात्रा के साथ इसकी शुरुआत होगी। कलश यात्रा में इस बार ऐतिहासिक रूप से विभिन्न छत्तीसगढ़ के लोक संस्कृति का भी प्रदर्शन किया जाएगा । एक तरफ जहां 5100 माताएं बहने सिर पर कलश धारण करके यज्ञ स्थल से निकलेगी । वहीं पर साथ ही साथ छत्तीसगढ़ के संस्कृति को दर्शाते हुए रिलों नृत्य ,पंथी नृत्य, रावत नृत्य, बग्घी की सवारी के साथ-साथ सूअर नृत्य सहित छत्तीसगढ़ के लोक परंपराओं को भी शामिल किया गया है। सेलूद में यहां पहली बार है जब इस तरह से भव्य आयोजन होने जा रहा है। पिछले लगभग 1 साल से इस आयोजन की तैयारी होती रही है । पाटन ब्लॉक के लगभग सभी गांव में बैठक लेकर कार्यक्रम की तैयारी रूपरेखा बनाई गई है ।इस आयोजन में गायत्री परिजनों के साथ-साथ ही छत्तीसगढ़ के कई राजनेता, मंत्री

विधायक भी शामिल होंगे। वही आज शाम को तैयारी को अंतिम रूप देने के लिए गायत्री परिवार से जुड़े लोग साथ ही साथ आयोजन समिति से जुड़े लोग भी रात तक डटे रहे ।तीन दिवसीय आयोजन के लिए काफी अच्छे से सजावट कीगई है।

शहीद प्रमोद पटेल के शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

पिथौरा (समय दर्शन)। स्थानीय शहीद स्मारक परिसर मे पिथौरा के रावण भाटा निवासी शहीद प्रमोद पटेल के शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सर्वप्रथम सहित प्रमोद पटेल की माता राम बाई, पिता श्री बृजराम पटेल, वीर वधु किरण पटेल एवं वीर वधु अहिल्या त्रिपाठी एवं उनके परिवार सहित शहीद स्मारक समिति के सभी सदस्य गण के द्वारा पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्ज्वलित कर श्रद्धांजलि दी गयी। समिति के गायक सदस्य सुरेंद्र सलूजा एवं सविता जल छत्री के द्वारा देशभक्ति गायन प्रस्तुत कर माहौल को देशभक्ति मय बना दिया। सभा को यू के दास,

गुरुदीप चावला, अनंत वर्मा, कौशल किशोर साहू, अरुण देवता एवं अन्य सदस्यों ने शहीद प्रमोद पटेल के शौर्यगाथा का वर्णन कविता एवं भाषण के माध्यम से किया । शहीद की वीर वधु किरण पटेल ने अपने पति के

शहादत की विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान शहीद स्मारक समिति के द्वारा शहीदों के शहादत पर होने वाले श्रद्धांजलि कार्यक्रम की तारीफ करते हुए शहीद स्मारक परिसर को मंदिर स्वरूप बताया ।

वक्ताओं ने शहीद स्मारक समिति के सदस्यों को धन्यवाद देते हुए कहा कि, यहां प्रत्येक शहीदों को श्रद्धांजलि दी जाती है, सभी धन्यवाद के पात्र हैं ।

सभा के अंत में देश के प्रधानमंत्री रहे डॉक्टर मनमोहन सिंह एवं शहीद प्रमोद पटेल को 2 मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम का संचालन पत्रकार संतोष गुप्ता एवं आभार प्रदर्शन समिति के सदस्य रितेश महंती ने किया। कार्यक्रम में शहीद स्मारक समिति के सभी सदस्य एवं देशभक्त नागरिक गण भी उपस्थित थे। उपरोक्त जानकारी समिति के सदस्य मयंक पाडे ने दिया।

संक्षिप्त-खबर

हर किसी का सपना होता है अपना घर हो, प्रधानमंत्री आवास योजना ने किया साकार

दुर्ग (समय दर्शन)। प्रधानमंत्री आवास योजना जिले के हजारों लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभा रही है। चुनूलाल जैसे हजारों लाभार्थी परिवारों को पक्के मकान मिलने से न केवल उनके सामाजिक और आर्थिक स्थिरता प्रदान हुई है, बल्कि लोगों के आत्मविश्वास को भी बढ़ाया है। यह कहानी दुर्ग जिले के ग्राम मचान्दुर के निवासी चुनूलाल की है, जिन्होंने इस योजना के तहत पक्का मकान पाकर अपने और अपने परिवार के सपनों को साकार होते हुए देखा। अपनी परिस्थिति और पारिवारिक पृष्ठभूमि के संबंध में चुनूलाल ने बताया कि वह एक दिहाड़ी मजदूर है। घर की चार दिवारे मिट्टी और छत खपरे की होने के कारण हर साल बारिश में टपकता था। बच्चों की पढ़ाई और परिवार की सुरक्षा के लिए मैं बहुत चिंतित रहता था। हमारा जीवन असुरक्षित था और हर दिन एक नई चुनौती लेकर आता था। जब प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की जानकारी मिली तो मैंने ग्राम पंचायत से संपर्क किया। पंचायत और जनपद पंचायत दुर्ग के अधिकारियों ने मुझे योजना के बारे में समझाया और आवेदन की प्रक्रिया में मदद की। जब मेरा नाम लाभार्थियों की सूची में आया तो मुझे 1.20 लाख रुपये की सहायता राशि दी गई। इस राशि से मैंने पक्का मकान बनाया। आज मेरे पास एक मजबूत छत है, जिसमें शौचालय, बिजली, और पानी की सुविधाएं भी हैं। मेरा परिवार अब सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जी रहे हैं। मेरे बच्चे अब बीना किसी डर के पढ़ाई कर सकते हैं। यह मकान केवल ईंट और सीमेंट का ढांचा नहीं है, यह हमारी जिंदगी में स्थिरता, सुरक्षा और खुशी का प्रतीक है। मुझे गर्व है कि अब मेरा परिवार एक ऐसे घर में रहता है, जिसे हम अपना घर कह सकते हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना जिले के ग्रामीण परिवारों के जीवन में एक नई खुशियों की सौगात दी है। यह योजना गरीबी और असुरक्षा से जूझ रहे परिवारों के लिए वरदान साबित हुई है।

विश्वविख्यात सुधांशु महाराज के लिए निकाली गई शोभा एवं कलश यात्रा

भिलाई (समय दर्शन)। विश्व जागृति मिशन भिलाई दुर्ग मंडल के तत्वाधान में आज नववर्ष एवं सतगुरु के आगमन के पूर्व एक भव्य रैली के साथ कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा सेक्टर 5 गणेश मंदिर से होते हुए जयंती स्टेडियम पहुंची। कलश यात्रा में सैकड़ो की संख्या में माताएं बहने कलश उठाकर भजन कीर्तन करते चल रही थी । कलश यात्रा मातृशक्ति महिला द्वारा निकाली गई ,जिसमें बच्चे ,महिला ,पुरुष गुरु भाई बहन एवं श्रद्धालु ने भी हिस्सा लिए। शोभा यात्रा के आगे ऑटो में विश्व विख्यात सुधांशु महाराज के तेल चित्र को सजाया गया था। जो देखते ही बनता था । महाराज सुधांशु जी का व्याख्यान 2 जनवरी से होना है इसके सभी समितियां को जो-जो जिम्मेदारी दी है उसे सब निभा रहे है। समितियां के तहत 301 कार्यकर्ताओं ने और महिलाओं ने हिस्सा लिया जो कलश यात्रा गणेश मंदिर से शुरुआत होकर जयंती स्टेडियम में समापन किया गया। विश्व जागृति मिशन भिलाई में मुख्य रूप से प्रधान चमन लाल बंसल ने पूरे दुर्ग भिलाई का धन्यवाद सहयोग के लिए दिए हैं इस अवसर पर महासचिव जयशंकर अग्रवाल, उपाध्यक्ष दिनेश, महेंद्र सिंह, कलश यात्रा को पूरे समय संभाले हुए थे और शामिल सभी लोगों का उत्साहवर्धन कर रहे थे । महिला मंडल में श्रीमति कौशल बंसल,मंजू गुप्ता,राजेश्वरी साहू ,अनीता साहू प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26